लेपालकपन 2

मैं... बस थोड़ी देर। मेरे पास कोई हिंसक था, बहुत ही हिंसक था, और मुझे बस उस समय जाना था, क्योंकि वे बहुत, बहुत बुरे थे। और मिशिगन से वहां दूर तक गाड़ी चला कर गया था, शेरिफ ने बुलाया था, और इत्यादि, कि वे बहुत, बहुत बुरे थे। अब, लेकिन सब ठीक होने जा रहा है; हर एक चीज—हर एक चीज कुछ नियंत्रण में है, तो यह ठीक बात है। जब प्रभु अंदर आता है, तब सब कुछ नियंत्रण में होता है, क्या ऐसा नहीं है? ओह, वह—वह बहुत भला है; उसकी भलाई और उसकी दया के बारे में सोचना, वह हमारे लिए क्या मायने रखता है, और उसकी स्तुति कितना बहुमूल्य है।

तो ठीक है, हमने यह कहते हुए आरंभ करने का प्रयास किया कि हम इफिसियों की किताब के पहले तीन अध्यायों को लेंगे। और मुझे लगता है कि हमारे पास पहले तीन शब्द है, या पहले तीन वहां *कुछ तो* है। हम बहुत दूर नहीं पहुंचे है, लेकिन हो सकता है आज रात हम थोड़ा और आगे बढ़ सकते हैं। अब, मैं कहना चाहता हूँ कि मैं एक बाईबल विद्यार्थी नहीं हूँ, बहुत दूर हूँ, और एक धर्मज्ञानी होने से बहुत दूर, लेकिन मैं—मैं प्रभु से प्रेम करता हूं, और मुझे उसकी सेवा करना पसंद करता हूं... [एक भाई, भाई ब्रंहम से बात करता है—सम्पा।]

किसी ने, बस एक आपात स्थिति में, कहा, इससे पहले कि हम आगे बढ़ें, लुईसविले के अस्पताल में एक छोटी लड़की है, और सभी बेहतरीन विशेषज्ञों ने उसे छोड़ दिया है, वह अब मर रही है, और इस बच्चे के लिए विनंती कर रही है। मसीही होने के नाते, अब प्रार्थना के लिए सिर झुकाना हमारा कर्तव्य है।

हमारे अनुग्रहकारी प्रभु, यह केवल हमारा कर्तव्य नहीं है, लेकिन यह हमारा सौभाग्य है, आज रात्रि हमारे—हमारे सिरों को एक कलीसिया के समान झुकाते हैं, एक बुलाए गए झुंड के समान, आज रात्रि यहां विश्वास करने वाले लोगों को; तेरे वचन की शिक्षा दे, देह में हमें यथा स्थान पर रखे जो हमारा था, और जहां हम एक साथ मिलकर मसीह की देह के सदस्यों के समान कार्य को सिद्ध रीति से कर सके।

2 और अब यह हमारी आवश्यकता है कि हम तुरंत परमेश्वर के पास जाए। और हम में से प्रत्येक पिता यह सोचता है कि क्या होता यदि यह हमारी छोटी बालिका होती, हमारे हृदय कैसे हमारे भीतर उत्तेजित और जलते हुए होते, और हम कलीसियाओ को बुलाते कि जल्द ही प्रार्थना करें। और कुछ पिताओ के हृदय जल, और टीस रहे हैं। प्रभु होने पाए कि वह महान पवित्र आत्मा का व्यक्ति इसी समय पिता के हृदय में आए। और सन्देह की हर छाया, और टीस को निकाल दे, और वह जान जाए कि तू परमेश्वर है और कोई रोग तेरी उपस्थिति में खड़ा नहीं रह सकता और तेरे दिव्य प्राधिकार को तेरी कलीसिया और तेरे लोगों के द्वारा कार्यवन्त किया जाता है।

3 और जैसे कि इस सारे सप्ताह में हम पिछले रविवार से प्रार्थना कर रहे हैं, मैंने इन विधियों पर विचार किया है या प्रार्थनाओ की यह विधियां। हमारे पास बहुत सारे हथियार नहीं है जैसा कि हम संसार में देखते हैं, परंतु यह छोटी गोफन की मार प्राणघातक है जब यह विश्वास की उंगलियों से थामी जाती है। ओह प्रभु, होने पाए कि हमारी प्रार्थनाएं घर पर वार करें कि वह मृत्यु जो वहां उस बालक पर है और वह छिन्न–भिन्न ना हो जाए; और अंधकार की वह छाया, उस बालक या उस बच्ची छोटी लड़की से दूर चली जाए। और होने पाए कि वह महान ज्योति जो कि परमेश्वर की उपस्थिति की है उस पर चमके। होने पाए, की वह बालक अस्पताल से स्वस्थ निकले।

4 परमेश्वर, हम जानते हैं कि नदी के पार हमारे प्रिय जन प्रतीक्षा करते हैं, और यह शानदार है। परंतु हम अपने छोटों से प्रेम करते हैं। और प्रभु, हम प्रार्थना करते हैं, कि आप अपनी महिमा के लिए उस बालक को जीवन दे। हम, कलीसिया के समान उस मृत्यु को लताड़ते है, और कहते हैं, “तू वहीं खड़ी रह। तू उस बालक को नहीं ले जा सकती, क्योंकि हम उसके जीवन का दावा परमेश्वर के राज्य के लिए करते हैं।” प्रभु इन बातों को प्रदान करें, कि लक्ष्य की ओर सीधे जाए जैसा कि हम उन्हें निर्देश देते हैं, यीशु मसीह के नाम में हमारा बचाने वाला। आमीन।

5 क्या हम विश्वास करते हैं? मैं नहीं जानता कि मैं क्या कर सकता था यदि मैं एक मसीही ना होता। मैं अधिक समय तक रुकना नहीं चाहता।

जीने के लिए कुछ नहीं है केवल दूसरों को बचा लिया, यही सबसे अच्छा है, जो मैं जानता हूं।

6 अब, आज रात्रि मैं छोटी सी भूमिका अपने पिछले पाठ की आरंभ करना चाहता हूं। और मैं पढ़ने का यत्न करूंगा, क्योंकि, पूरा अध्याय, यदि मैं आज रात्रि कर सका। ताकि रविवार प्रातः हो सकता है मैं इसे प्रात: और सांझ में लेना पड़ेगा, यदि यह ठीक रहा, यत्न करूंगा कि इस बैठक में मैं जो चाहता हूं कि कलीसिया देखे। ओह, अपनी स्थिति को पा लेना शानदार है! और कोई कुछ नहीं कर सकता जब तक ठीक प्रकार से ना जान जाए कि आप क्या कर रहे हैं।

7 क्या हो यदि आपका होने वाला... एक ऑपरेशन होने वाला है, और वहां एक यूवक डॉक्टर हो जो हाल ही में विद्यालय से निकला हो कि वह करेगा... पहले कभी ना किया हो। अब भी वह नवयूवक है, और सुंदर, और उसके बाल सीधे–सीधे खड़े हुए हो बहुत अच्छे कपड़े पहन रखे हो, सुव्यवस्थित, और सब कुछ। और वह कहे, "मैंने चाकू तेज कर लिए है और मैंने सारे उपकरण निष्कीटित कर लिए है।" परंतु आपको उस विषय में एक थोड़ा अजीब सा अनुभव होगा। अच्छा हो कि एक पुराना डॉक्टर लू जो इस ऑपरेशन को पहले कई बार कर चुका हो, मैं उस से करवाना चाहता हूं। मैं—मैं जानना चाहता हूं कोई नया–नया विद्यालय से निकला हुआ ना हो, मैं चाहता हूं कि कोई अनुभव के साथ हो।

8 और अच्छे अनुभव वाले एक को मैं जानता हूं, आज रात्रि बुलाने के लिए, वह पवित्र आत्मा है। वह परमेश्वर का महान डॉक्टर और महान शिक्षक है।

9 और जैसे कि मेरी संदेश की भूमिका, आज रात्रि चल रही है, यह अब भी रविवार के उपदेश से हैं, कि यह है, उन्होंने शमुएल को प्रभु के वचन के साथ अस्वीकार कर दिया, और शाऊल को स्वीकार किया, कीश का पुत्र, और शमुएल को अस्वीकार कर दिया, जो कि पवित्र आत्मा का प्रतिनिधित्व था, क्योंकि वह वैसे ही बोला जैसे पवित्र आत्मा ने उसकी बोलने की अगुवाई की। जब उसने उनका ध्यान उस पर दिलाया, उसने कहा, "स्मरण रखो, कि मैंने आप लोगों से कभी भी ऐसा कुछ नहीं कहा जो प्रभु ने ना किया हो। ना ही मैंने तुम्हारे सामने दुर्व्यवहार की चाल चली। और कोई मुझ पर पाप का दोष नहीं लगा सकता।"

जैसे कि यीशु ने कहा, "कौन मुझे पाप के लिए दोषी ठहराता है? " समझे?

10 और उसने फिर कहा, कि, "मैं तुम्हारे पास कभी नहीं आया और तुम से पैसे मांगे और आदि–आदि। मैंने तुम लोगों से कुछ नहीं लिया। परंतु सब जो मैंने कहा वह तुम्हारी भलाई के लिए, कि मैं तुम्हारे पास जो लाया वह प्रभु के भूख से लाया।"

11 और सब लोगों ने गवाही दी, "यह सत्य है। वह सब सत्य है, परंतु फिर भी हमें एक राजा चाहिए। हम संसार के लोगों के समान होना चाहते है।"

12 अब, आज रात्रि, हमारा... पवित्र वचन इफिसियो की पुस्तक को नए नियम की यहोशू की पुस्तक में बांटता है। यह "जयवन्तो को" बांट कर एक क्रम में स्थापित करता है। यह तो कुछ मिनटों की भूमिका थी कि पढ़ना, आरंभ करने से पहले एक स्थान पर पहुंचे, 3रे पद से आरंभ करते हुए। अब, हमने पिछली रविवार रात्रि को देखा कि... कि परमेश्वर ने पुराने नियम के अंदर इस्त्राएल से एक विश्राम के देश की प्रतिज्ञा की थी, क्योंकि वे तीर्थयात्री और घूमने वाले हो गए थे। और वे उस भूमी में थे जो उनकी नहीं थी, और परमेश्वर ने अब्राहम के द्वारा प्रतिज्ञा की वह परदेसी है... उसका वंश चार सौ वर्षों के लिए अनजाने लोगों में परदेसी रहेंगे, और दुर्व्यवहार किया जाएगा, परन्तु शक्तिशाली हाथों के द्वारा उन्हें भले देश में लाया जाएगा जहां दूध और शहद बहता है।

13 और, अब, जब प्रतिज्ञा का समय आया तो, परमेश्वर ने किसी को उठाया कि उन्हें उस देश में लेकर आए। आज रात्रि कक्षा में से कितने हैं जो एक था... जानते हैं कि वह कौन था? मूसा। ध्यान दें, एक हमारी वास्तविक हमारी छाया जो हमें दी गई कि हमें प्रतिज्ञा के देश लाए, मसीह। अब हमारे पास एक प्रतिज्ञा है, क्योंकि हमारी प्रतिज्ञा आत्मिक विश्राम है, जबकि उनका भौतिक याने शारीरिक विश्राम था। और इसलिए वे उस देश में आ रहे थे ताकि वे कह सके, "यह हमारा देश है, अब हम घूमने वाले नहीं हैं, हम बस गए हैं, यह हमारा देश है, और यहां हमें विश्राम मिला है। बहन अपना अनाज बोएंगे, अपनी दाख की बारियो को लगाएंगे, और हम अपनी बारियो में से खाएंगे। और जब हम मर जाओ है, तो हम अपने बालकों के लिए छोड़ जाएंगे।"

14 ओह, हम इस देश में कैसे जा सकेंगे, वारिसाना की व्यवस्था से, जैसे नाओमी और रूत, बोआज, उस सब के वापस लाएं, कैसे एक भाई इस्राएल में, कैसे उसे होना चाहिए... कोई भी चीज जो वह खो चुका था उसे समीप के रिश्तेदार के द्वारा छुड़ाया ही जाना चाहिए। ओह, कितना सुंदर है! यह तो सप्ताहो और सप्ताहों और सप्ताहों और सप्ताहों को लेगा, हम इस अध्याय को कभी भी ना छोड़ेंगे कि इस पर ही रहे। हम समस्त बाईबल को ठीक यहां केन्द्रित कर सकते हैं, ठीक इसी एक अध्याय में।

15 और, ओह, मैं इसका अध्ययन करना पसंद करता हूं। हम इसे लिया करते थे, और इसे वर्ष भर के लिए लेते थे, और एक छह माही और कभी भी पुस्तक को नहीं छोड़ते थे। बस इसी पर स्थिर रहे।

16 अब, परंतु, यह एक ऐसी महान बात थी, वह विरासत, देश में वह कैसे एक विरासत थी जिसे कोई और नहीं, परंतु एक समीपी रिश्तेदार उस उत्तराधिकार को छुड़ा सकता है। अब, मुझे यहां पर एक छोटा सा निशान छोड़ने दे जिसे की मैंने किसी और रात्रि में लिया था आप माताओं के लिए। कितनों ने यहां अपने प्रिय जनों के लिए प्रार्थना की, खोए हुओं के लिए? ठीक है। आप फिर वहीं पर हैं, देखिए, “आपकी विरासत।” समझे?

17 पौलुस ने रोमी को बताया, कहा, “प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, और तू और तेरा घराना बच जाएगा।” यदि आपके विश्वास अपने को बचाने के लिए पर्याप्त विश्वास है, पर्याप्त विश्वास है, कोई मतलब नहीं कि वह लड़का मार्ग से कितना भी भटका हुआ है, या वह लड़की वे जो भी हो बच जाएंगे। परमेश्वर, कैसे भी! यदि उसे उनके लिटाना भी पड़े, अस्पताल में पड़े हुए हैं, मर रहे हैं, वे बच जाएंगे। परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा की है। वह वारिसाना हक! ओह! “और वे वहां होंगे,” यशायाह ने कहा, “और उनके सारे बालक उनके साथ। उन्हें ना दुख होगा ना ही मेरे पवित्र पर्वत पर नाश होगे, यहोवा कहता है।”

18 ओह, मेरे पास थोड़ा सा स्थान है मैं आशा करता हूं मैं आज रात्रि आपके लिए ले सकता हूं। मेरे हृदय में जल रहा है, उसके लिए कि उस पर वापस आऊं।

19 परंतु अब, आगे को। तब क्या आपने मूसा पर ध्यान दिया, कि वह महान आश्चर्य कर्म करने वाला जो इस्राएल को वहां होते हुए लाया, और उन्हें प्रतिज्ञा के देश तक लाया, परंतु उनको उत्तराधिकार में उनको ना रखा,

उसने उनका उत्तराधिकार उन्हें नहीं दिया? उसने उनका उत्तराधिकार नहीं दिया; वह उन्हें उस भूमि तक लाया, परंतु यहोशू ने लोगों को भूमि बांटी। क्या यह ठीक बात है? और मसीह कलीसिया को उस स्थान तक लाया जहां उनका उत्तराधिकार उनको दिया गया था, केवल यर्दन को पार करना था, परंतु पवित्र आत्मा वह था जिसने कलीसिया को क्रम में व्यवस्थित किया। आज का यहोशू कलीसिया को उसके क्रम में व्यवस्थित करता है, प्रत्येक को वरदान स्थानों, और पद को देता है। और वह परमेश्वर की वाणी है उस अंदर वाले मनुष्य द्वारा बोल रही है जिसे मसीह ने बचाया है, वह पवित्र आत्मा। अब क्या आपको इतना मिला है? अब हम इफिसियों की पुस्तक में जा रहे हैं। अब, उसी प्रकार से, वह कलीसिया को उपयुक्त स्थान पर स्थिर कर रहा है जहां से वे है। अब, यहोशू ने उन्हें सांसारिक रूप में रखा। अब पवित्र आत्मा कलीसिया को उपयुक्त स्थान पर रख रहा है, भूमि में, ताकि वे, उस स्थिति में जिससे संबंधित है, उनका उत्तराधिकार।

20 अब पहली बात जो वह यहां पर आरंभ कर रहा है, वह अपनी पत्री को संबोधित करता है, "पौलुस,... " जिसको, कि हम अब थोड़ी देर में देखने वाले हैं कि यह सारे भेद उस पर प्रगट हुए, धर्म विद्यालय में नहीं, ना ही किसी धर्मज्ञानी के द्वारा, परंतु यह पवित्र आत्मा का दिव्य प्रकाशन है जो कि परमेश्वर ने पौलुस को दिया। यह जानते हुए कि परमेश्वर का भेद, उसने कहा, जो कि पृथ्वी के रचने से पहले छिपा हुआ था, उस पर पवित्र आत्मा के द्वारा प्रगट हुआ। और पवित्र आत्मा लोगों के मध्य में प्रत्येक को यथा स्थान में सुव्यवस्थित कर रहा है, कलीसिया को पद पर स्थापित कर रहा है।

21 अब, पहली बात जो पौलुस लोगों को यहां बता रहा है, कि सब ले... स्मरण रखें, यह कलीसिया को है, बाहर वालों के लिए नहीं, उसके लिए यह भेद पहेली में है कभी भी, समझ में आने योग्य नहीं है, सर के ऊपर से निकल जाता है, कुछ नहीं के सिवाये और कुछ नहीं जानता। परंतु, कलीसिया को, यह चट्टान में मधू है यह ना बोलने वाला आनंद है, यह धन्य आश्वासन है, यह प्राण का लंगर है, यह हमारी आशा और रुकने का स्थान, यह युगों की चट्टान है, ओह, यह हर चीज है जो अच्छी है। क्योंकि स्वर्ग और पृथ्वी टल जाएंगे, परंतु परमेश्वर का वचन कभी नहीं टलेगा।

22 परंतु कनान से बाहर का व्यक्ति इस विषय में कुछ नहीं जानता, वह

अभी भी भटक रहा है। यह नहीं कह रहा हूं कि, वह अच्छा व्यक्ति नहीं है मैं यह नहीं कहता। मैं यह नहीं कहता कि वह मनुष्य जो मिस्र में भी है वह भला मनुष्य नहीं है, परंतु वह... जब तक वह अपने इस अधिकार में नहीं आ जाता।

23 और वह स्वामित्व जो, वह, प्रतिज्ञा जो कलीसिया को दी गई थी, वह स्वाभाविक भूमि नहीं थी, परंतु आत्मिक भूमि, क्योंकि हम राजसी याजक पद, एक पवित्र देश है। तब इस राजसी याजक पद पवित्र देश, विशिष्ट लोग, बुलाए हुए, निर्वाचित, चुने हुए, एक ओर अलग किए हुए, उससे सारा संसार बाहर जो मरा हुआ है। और आत्मा के द्वारा मार्गदर्शन हुआ है। परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां परमेश्वर के आत्मा द्वारा अगुवाई में; मनुष्य के द्वारा नहीं, परंतु आत्मा के द्वारा।

24 सब प्रेम में, अब सारी चीजें एकत्र हो गई है। यह बहुत बार सिखाने का यत्न किया जा चुका है, और कोई संदेह नहीं कि कोई महान धर्मज्ञानी बहुत गहराई में प्रहार करें मैं जितना कर सकता हूं। परंतु वह बात जो मैं आपको समझना चाहता हूं यह है: कि एक मनुष्य जो मसीह में है, पवित्र आत्मा के साथ, उस मनुष्य के संग सहते हुए रह सकता है जबकि वह गलत है, धैर्य, नम्र, सहन करना; वह सुशील, नम्र, स्वामीभक्त, आत्मा से भरा हुआ कभी भी नकारात्मक नहीं; सदा आशावान; वह भिन्न व्यक्ति है।

25 वह केवल एक मनुष्य ही नहीं, "हम जो कभी ये थे। यदि हम चिल्लाए, हमें यह मिला, हम मैथोडिस्टो को। ओह, जब हम चिल्लाए, हम देश में थे।" यह अच्छा है, यह ठीक है, मैं इसका भी विश्वास करता हूं।

26 तब पेंटीकोस्टल अन्य भाषा बोलते हुए आए, उन्हें "यह मिला; प्रत्येक जो अन्यभाषा बोला उसके पास यह था।" मैं भी इसका विश्वास करता हूं। परंतु हम अब भी पाते हैं कि बहुत सो के पास यह अब भी नहीं था। समझे? अब वे...

27 अब हम इस महान भेद पर आ रहे हैं जो की संसार के रचने से पहले छिपा हुआ था और अब अंत के दिनों में परमेश्वर के पुत्रों पर प्रकट किया जा रहा है। आप इस बात का सत्य होने का विश्वास करते हैं, कि परमेश्वर के पुत्र प्रकट हो गए हैं? इसके पहले हम कहीं भी बढे, आईए रोमियो का 8वां अध्याय निकाले एक मिनट, मैं आपको कुछ पढ़ कर सुना दू। देखिए

यदि, यह, यह आगमन है, जहां तक मैं यहां बोल रहा हूं। अब हम रोमियो आठ लेने जा रहे हैं 19वां पद रोमियो के—के 8वे अध्याय का:

> *क्योंकि सृष्टी बड़ी आशा भरी दृष्टी से ... परमेश्वर के पुत्रों के* प्रगट *होने की बाट जोह रही है।*

28 आशाभरी दृष्टी से, सारी सृष्टी प्रगट होने की प्रतिक्षा कर रही है। देखिए, प्रगटीकरण! प्रकटीकरण क्या है? मालूम हो जाना!

29 सारी सृष्टी। उधर मुसलमान, वे इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। चारों ओर, हर जगह, वे इसे खोज रहे हैं। "यह लोग कहां है? " हमारे पास थे... हमारे पास तेज चलने वाली हवा थी, हमारे पास गर्जनाए और बिजली, हमारे पास तेल और लहू था, हमारे पास सब प्रकार की चीजें थी, परंतु हम सुनने में असमर्थ रहे वह धीमी हल्की आवाज जिसने भविष्यवक्ता को आकर्षित किया जिसने अपने चारों ओर कपड़ा लपेटा हुआ था और बाहर आया, कहा, "प्रभु, मैं यहां पर हूं।" समझे?

30 अब सारी सृष्टी कहर रही है और परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने की बाट जोह रही है। अब, पौलुस पहले कलीसिया को ठीक वहां स्थापित करने जा रहा है जहां से वह है। अब, थोड़ी सी भूमिका लेने के लिए, हम इसे फिर से पढ़े:

> *पौलुस जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का, संतों के नाम* (वे जो "पवित्र किए गए हैं") *जो इफिसुस में है, और... मसीह यीशु में विश्वासी है:*

31 अब, इसलिए कक्षा इसे नहीं भूलेगी, हम मसीह में कैसे आ सकते हैं? क्या मसीह में सम्मलित होने के लिए आराधनालय जाए? क्या मसीह में सम्मलित होने के लिए हम कोई कार्य करें? क्या मसीह में सम्मलित होने के लिए हम पानी में डुबकी लगाए? हम उसमें कैसे सम्मलित हो सकते हैं? पहला कुरिन्थियों, 12वां अध्याय, "क्योंकि एक ही आत्मा के द्वारा, " एक बड़ा एस–पी–आई–आर–आई–टी, जो कि पवित्र आत्मा है, "हम सब ने एक ही प्रतिज्ञा के देश में बपतिस्मा लिया है।"

32 इस प्रतिज्ञा के देश में, हर चीज हम से संबंधित हैं, इस प्रतिज्ञा के देश में। इसे देखिए, भाई कोलिन्स? देखिए, हर चीज प्रतिज्ञा के देश में है! जब इस्राएल यर्दन के इस पार आ गया, प्रतिज्ञा के देश में, हर चीज के लिए लड़े!

33 अब स्मरण रखें, इस प्रतिज्ञा के देश में, इसका अर्थ यह नहीं कि आप बीमारियों से प्रतिरक्षित हो गए हैं, इसका अर्थ यह नही है कि आप परेशानियों से प्रतिरक्षित हो गए है। परन्तु यह इसका वशीकरण है (ओह! यह गहराई में पैठ जाए।) यह, यह कहता है कि यह आपका है! केवल उठकर और इसे ले ले! समझे? जब...

34 और स्मरण रखें, केवल एक ही विधी थी कि इस्राएल किसी मनुष्य को कभी खोए, कि जब पाप शिविर में आ जाए। केवल एक ही विधी है कि हम एक—एक जय ना पाए, कि पाप शिविर में अंदर आ जाए, यही कुछ गड़बड़ है। जब अंकन ने उस मजदूरी को चुराया और वह बाबुल की चादर, पाप शिविर में था, और युद्ध गड़बड़ हो गया।

35 आप आज रात्रि यह—यह आराधनालय मुझे दे दे, इस झुंड के लोगों को, सिद्धता से, परमेश्वर के प्रतिज्ञा में, सिद्धता से, पवित्र आत्मा के साथ, आत्मा में चलते हुए, मैं किसी भी बीमारी को चुनौती देता हूं, या किसी दु:ख को या किसी भी चीज को जो वहां है, हर जोय लुईस जो इस देश में है, उसके सारे विश्वासघात के साथ, और सारे अविश्वासियो का जो वहां उनमें है, किसी भी बीमारी, या रोग जो इस दरवाजे के भीतर है, और वे यहां से पूर्णता स्वस्थ होकर जाएंगे। जी हां, श्रीमान। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा दी है, केवल अविश्वास का पाप इसे रख सकता है। अब हम इस पर आ रहे हैं कि यह छोटा पाप क्या है, थोड़ी देर के बाद। अब:

> ... जो *मसीह यीशु में है:*
>
> *हमारे पिता परमेश्वर, और... प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह, और शांति मिलती रहे।*
>
> हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर पिता का धन्यवाद हो, *कि उसने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी मसीह में—मसीह में:*

36 जब हम मसीह में है, तो हमारे पास आत्मिक आशीषे हैं। मसीह के बाहर, हमारे पास संवेदनाएं। मसीह में हमारे पास आशा में आशीषे है। ना की बनावटी विश्वास, ना लजाए, ना कि कुछ मिलाना। परंतु जब तक आप यह कहने का यत्न कर रहे हैं कि आप प्रतिज्ञा के देश में है, और आप है नहीं, आपका पाप आपको ढूंढ लेगा। और, पहली बात आप जानते है, आप स्वयं को झुर्री युक्त पाएंगे और—और वह सब जो, जैसे आप संसार में कहते हैं,

परेशान हाल। आपको मालूम पड़ेगा आपके पास वह नहीं है जिसकी आप बात कर रहे हैं। परंतु जब आप मसीह यीशु में है, उसने आपसे स्वर्गीय शांति की प्रतिज्ञा की है, स्वर्गीय आशीषो की, स्वर्गीय आत्मा, हर चीज आपकी है। आप प्रतिज्ञा के देश में है और सारी चीजें आपके पूरे अधिकार में है। आमीन। कितना सुंदर है! ओह, हम इसका अध्यन करें:

उसके चुन लिए जाने के अनुसार...

37 अब, यही जहां पर कलीसिया बुरी तरह से ठोकर खाती है।

सुमति के अनुसार उसने उसमें हमें सुन लिया... (किस में?) मसीह में।

38 अब हम पाते हैं, वहां पीछे उत्पत्ति में—में और प्रकाशितवाक्य में, प्रकाशितवाक्य 17:8, उसने हमें मसीह में चुन लिया, संसार के रचने से पहले। अब, वचन... अब मैं अगला पढ़ू:

... *जगत की उत्पत्ति से पहले उसमें चुन लिया, कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हो...*

हमें पहिले से ठहराया...

39 अब मैं "पहले से ठहराया जाना" इस शब्द पर रुकना चाहता हूं। अब, *पहले से चुन लिया जाना,* क्या यह नहीं कहता, "मैं भाई नेविल को चुन लूंगा, और मैं—मैं—मैं—मैं—मैं भाई बीलर को नही चुनुंगा।" यह ऐसा नहीं है। यह परमेश्वर के पूर्व ज्ञान से है जो कि जानता है कौन सा ठीक होगा और कौन सा ठीक नहीं था। इसलिए, पूर्व ज्ञान के द्वारा, परमेश्वर जानता है कि वह क्या करने जा रहा था, उसने अपने पूर्व ज्ञान के द्वारा ठहराया ताकि सारी बातें मिलकर उन लोगों के लिए जो परमेश्वर से प्रेम रखते है भलाई उत्पन्न करें, ताकि वह उस आने वाले युग में, सारी चीजों को उस एक में एकत्र करें, जो की मसीह यीशु है।

40 मैं यहां पर एक छोटा चित्रण खींच कर दिखाऊं। यह अच्छा है। हम वापस जाते हैं, मैं विश्वास करता हूं कि इस पर हमने थोड़ी बातें की है, उस रात्रि, या उत्पत्ति 1:26, में, इस पर जोर दिया है, जब परमेश्वर ने अपने नाम को पुकारा, "प्रभु परमेश्वर," यह शब्द है एल, एलाह, एलोहिम, जिसका अर्थ "स्वयं से ही अस्तित्व में।" सिवाए उसके वहां कुछ भी नहीं था। कोई हवा नहीं थी, कोई ज्योति ना थी, कोई सितारे ना था, कोई संसार

नहीं, वहां कुछ भी नहीं था। यह परमेश्वर था, और अकेला परमेश्वर, एल, एलाह, एलोहिम। अब, यह उसने बनाया।

41 उसके अंदर गुण थे जिसका अर्थ यह था वह एक था... इस महान एल, एलाह, एलोहिम में एक गुण था या एक... आप जानते हैं *गुण* क्या होता है, या मैं इसे इस प्रकार कहूं, एक "स्वभाव" था। यह ऐसा कि छोटा बालक भी समझ जाए, और मैं उन छोटे में से एक हूं जिसे इसी प्रकार समझना है। उसके भीतर पिता होने का स्वभाव था, परंतु वह स्वयंभू है, उसके लिए कुछ नहीं था कि जिसके द्वारा वह पिता बने। और, अब, वहां उसके अंदर उसमें कुछ था, कि वह एक परमेश्वर था; और एक ईश्वर आराधना का उद्देश्य है; परंतु वह स्वयंभू था, एल, एलाह, एलाह, एलोहिम, इसलिए उसकी आराधना करने के लिए कुछ नहीं था। उसके भीतर वह एक बचाने वाला था, और वहां कुछ नहीं खोया था कि बचाया जाए। समझे? उसके भीतर, वह एक चंगा करने वाला था, देखा, परंतु चंगा करने के लिए कोई रोगी नहीं था, या बीमार होने के लिए कोई नहीं था। अब आपको समझ आया? इसलिए उसके गुण उसके स्वभाव ने वह उत्पन्न किया जो आज है।

42 कुछ लोग कहते हैं, "अच्छा, तो परमेश्वर ने इसे आरंभ में ही क्यों नहीं रोक दिया? " "वह एक निर्दयी ह्रदयवाला है, " कहा जोय लुईस, वह है जिसने जोय, या जैक को दोषी ठहराया, देखा। कहा, "वह केवल एक निर्दय ह्रदय वाला पाशविक है। परमेश्वर जैसी कोई बात नहीं है। यदि ऐसी कोई चीज होती, तो वह ऐसा होता... " ओह, मैंने... वैसे ही उसके सब प्रकार के नाम लिए। परंतु यह केवल इसलिए क्योंकि उसके पास *यहां* बहुत सारा ज्ञान है, परंतु *यहां* अंदर उसमें कुछ नहीं है।

43 अब, यह, यही जहां यह बात है। समझे? यह वचन यहां यह बताता है, और उसने यह छिपाया। और यह भेद अब यहां छिपे हुए थे, स्मरण रखें, बाईबल ने कहा, "संसार के रचने से पहले, परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने की प्रतीक्षा कर रही है, " ताकि उन्हें कलीसिया में प्रदर्शित करें। ओह, प्रभु! आप इसे समझ गए?

44 अब मैं अपनी कथा पर रुकता हूं थोड़ी देर के लिए, या मैं लाऊंगा... मैं इसे लाने के लिए अपने अगले विचार पर आऊंगा। अब स्मरण रखें, मूसा के सारे युगों में होते हुए, पीछे भविष्यवक्ताओं के युगों में, पीछे युगों में, आपने अंतिम दिनों तक प्रतीक्षा की है, इन बातों के लिए ताकी प्रदर्शित की जाए,

वचन के अनुसार। यह ठीक बात है, क्योंकि यह परमेश्वर के पुत्रों पर प्रकट होनी थी। क्यों? बरबादी से... जब तक नहीं होता जैसा कि पिरामिड, जैसा कि मैंने कहा, समीप, और समीप, समीप बनता जा रहा है।

45 जैसे कि मैंने अक्सर यह टिप्पणी की है, और कहा, परमेश्वर ने तीन बाईबले बनाई है। पहली वाली, उसने आकाश में रखी है, राशी चक्र में। क्या आपने कभी राशी चक्र देखे हैं? राशी चक्र में पहला चित्र क्या है? कन्या। राशी चक्र में अंतिम चित्र क्या है? लिओ सिंह। पहली बार कन्या के पास आया, वह दूसरी बार सिंह के सामान आया यहूदा के गोत्र से। समझे?

46 उसने अगली वाली पिरामिड में बनाई, हनोक के दिनों में, जब उन्होंने पिरामिड बनाए। और उन्होंने उन्हें नापा। मैं इसे नहीं समझता। परंतु युद्धों के लिए, जहां वे झुके और अपने घुटनों पर इतने चले, और युद्धों की उस दूरी को नाप सकते थे। आप जानते हैं वे अब कहो से नापते हैं? राजा के कक्ष के आरपार साहूल लगाते है। और जैसा कि यह पिरामिड ऊपर गया... और हम इसे नहीं बना सके, हर उस चीज के साथ जो आज हमारे पास है। हम इसे नहीं बना सके।

47 यह ठीक *इस* प्रकार से बना है, एक बिंदु तक। और पत्थर ऊपर... चोटी का पत्थर कभी नहीं मिला था। उन्होंने पिरामिड के ऊपर कभी भी ढक्कन नहीं लगाया। मैं नहीं जानता कि आप जानते हैं या नहीं, मिस्र का बड़ा पिरामिड, उसके चोटी पर कभी भी चोटी का पत्थर नहीं था। क्यों? चोटी का अस्वीकृत किया गया, मसीह, चोटी का पत्थर, देखिए, और अस्वीकृत किया गया था।

48 परंतु जैसे हम लूथरन युग, बैपटिस्ट युग, मैथोडिस्ट युग, पेंटीकोस्टल युग, में बढ़ते है, अब हम चोटी के पत्थर पर आते हैं, उस चोटी के पत्थर के बैठे जाने की प्रतीक्षा और राह देख रहे हैं, भवन का पूरा होना। क्या आपने वचन में नहीं पढ़ा, "वह चोटी का पत्थर अस्वीकृत किया गया था"? सही में, हम अनुभव करते हैं कि वह सुलेमान के मंदिर के विषय में बातें कर रहे हैं। "परंतु अस्वीकृत किया गया पत्थर सिरे का मुख्य पत्थर हो गया।" और मैं यह कह रहा हूं यह केवल एक—एक—एक—एक आपके लिए चित्र बनाना है।

49 और बाईबल में, हम अंत के दिनों में रह रहे हैं, पिरामिड की चोटी पर, राशि चक्र में कैंसर युग की आपस में कटी हुई मछलियां, लियो वो सिंह के

आने के समय में, चोटी के पत्थर लगने में, और परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने के समय में, देखिए, बाईबल में। देखिए हम कहां पर है? हम ठीक अंत समय में है।

50 कितने इस सप्ताह अखबार पढ़ रहे हैं, ख्रुश्चेव और उन्होंने क्या कहा? ओह, वे तैयार है; ऐसे ही हम भी। आमीन। तैयार! यह ठीक है, देखिए। ओह, क्या ही—क्या ही—क्या ही सौभाग्य है, क्या ही दिन है! यदि मसीही इस दिन का अनुभव कर सके जिनमें हम रह रहे हैं! ओह!

51 आप क्या सोचते हैं? इस पुस्तक का लेखक, जिसने इसे देखा, और देखा कि यह अंत के दिनों में कहां प्रगट हुआ, परमेश्वर के पुत्रों के लिए प्रतीक्षा और कहर रही है कि अंत के दिनों में उठे, अंत के युग में पवित्र आत्मा के सामर्थ के साथ, पृथ्वी के रचने से पहले जो बातें छुपी हुई थी उन्हें प्रगट करने के लिए, ले आने के लिए।

52 अब आइए वापस इस उसमें चले "पृथ्वी के रचने से पहले" फिर से, प्रकाशन को पाने के लिए, यह देखने के लिए यदि हम ठीक हैं या नहीं। मैं आशा करता हूं मैं परमेश्वर को "पापा," कहने से स्वयं को धर्म द्रोही नहीं बना रहा हूं, परंतु मैं यह कहना चाहता हूं कि इस प्रकार से इसे समझ जाएंगे । पापा! याने पिताजी पापा ने कुछ बालकों को चाहा, इसलिए उसने क्या किया? उसने कहा, "स्वर्ग दूत हो जाए।" और वे उसके चारों ओर आ गए। ओह, यह अच्छा है। उन्होंने उसकी आराधना की, तब वह परमेश्वर था, वह गुण। स्मरण रखिए, वह एल (ए–ल), एला, एलोहिम, स्वयंभू, कुछ नहीं केवल वही था। पहली चीज जो आसपास आई वे स्वर्ग दूत थे। तब, स्वर्ग दूत आराधना को छोड़ और कुछ नहीं कर सकते थे। वे नष्ट नहीं हो सकते थे। इसलिए, वे बीमार नहीं हो सकते थे, वह अमरणहार जीव थे। इसलिए, वह चंगाई की सामर्थ का प्रदर्शन नहीं कर सका, वह अपने छुटकारे की सामर्थ का प्रदर्शन नहीं कर सका। वह, इसलिए तब, पहले, अब देखें…

53 तब इसके पश्चात, उसने कहा, "हम कुछ साकार बनाएंगे।" इसलिए उसने पृथ्वी को बनाया। और जब उसने पृथ्वी को बनाया, उसने पृथ्वी के सारे प्राणी बनाए, और तब उसने मनुष्य को बनाया। हर चीज जो पृथ्वी में से निकल कर आई, वह टैडपोल या एक—एक जैली मछली से आरंभ हुए, मछली का एक रूप जल पर तैर रहा था, वहां से आरंभ हुआ, कि… उससे

एक मेढक, जो की जीवन का सबसे छोटा प्रकार है जिसे हम पा सकते हैं, जिसका वे दावा करते हैं, मेंढक है। सबसे ऊपर मनुष्य जाति है। यह मेंढक से आरंभ होगा, छिपकली को और छिपकली से आगे और आगे और आगे, और हर बार पवित्र आत्मा करना "वूशशश," करना आरम्भ करता जीवन फूंकता, फिर आता; "वूशशश," बड़ा जीवन। और पहली बात, कोई चीज परमेश्वर के प्रति रूप में आई, वह मनुष्य था। कुछ भी कभी नहीं था, कभी नहीं था, कभी कोई और सृष्टि नहीं की जाएगी, जो मनुष्य से बढ़कर हो, क्योंकि एक मनुष्य परमेश्वर की समानता में है। समझे?

54 मनुष्य से जब उसने अपना पहला मनुष्य बनाया, अब, जब उसने अपने स्वर्ग दूत बनाए, उसने मनुष्य को बनाया, "उसने उनकी सृष्टि नर और नारी करके की," सब एक ही इकाई में। वह पुरुष और स्त्री और दोनों था, नारीत्व और पुरुषत्व। जब उसने आदम बनाया और उसने देह में डाला, स्मरण रखिये, उत्पत्ति 1 में, उसने पुरुष और स्त्री को बनाया, और उत्पत्ति 2 में, भूमि पर जोतने के लिए अब तक कोई मनुष्य ना था, शारीरिक मनुष्य। कोई मनुष्य नहीं जो कुछ भी पकड़ सकता था और भूमि जोतता, परन्तु तोभी परमेश्वर की समानता में मनुष्य था। "और परमेश्वर एक… " [सभा कहती है, "आत्मा।"—सम्पा।] यह ठीक है। समझे? उसने पहला मनुष्य बनाया, "उसने उनकी नर और नारी करके सृष्टी की।" अब, जब उसने पहला मनुष्य बनाया…

55 अब, स्मरण रखें, कुछ मिलाकर उसके मस्तिष्क में था। और रविवार रात्रि मैंने इसे लिया था। एक—एक वचन एक विचार का प्रकटीकरण है। परमेश्वर ने सोचा कि उसकी कैसे परमेश्वर हो सकेगा, उसकी कैसे आराधना हो सकेगी, वह कैसे चंगा करने वाला हो सकेगा, कैसे वह एक बचाने वाला हो सकेगा; जैसे ही उसने वचन बोला, वह सदा के लिए पूरा हो गया था। ओह, यदि अब यह परमेश्वर के पुत्र केवल अब उस वचन को थाम सकते हैं इस प्रकार से! जब परमेश्वर वचन बोलता है, यह पूर्णत: पूरा हो गया! बिल्कुल! वह प्रतीक्षा कर सकता है… वंशावली यह कहती है, ओह एक पुरातत्वज्ञ और वे सब दावा करते हैं, संभव है कि संसार करोड़ों और करोड़ों और करोड़ों। मैं नहीं जानता, यह हो सकता है खरबो, खरबो वर्षों रहे हो। मैं नहीं जानता कितने समय पहले यह था। परमेश्वर समय में विद्यमान नहीं है। उसके पास एक मिनट भी समय कम नहीं है,

उससे जब उसने यह बोला। अब वह अब भी परमेश्वर है। उसके साथ कोई समय नहीं है।

56 मैंने उस रात्रि से पहले इसे ऐसे कभी नहीं जाना था, बल्कि उस प्रातः से पहले, अनंत, कोई बीता कल नहीं, ना आने वाला कल, सारा का सारा अब है। क्या आपने कभी "**मैं हूं**" पर ध्यान किया है? ना हीं "मैं था," या "मैं आऊंगा," यह अनंत है, "**मैं हूं**," देखा, सदा "**मैं हूं**।"

57 अब, परंतु उसने चीजो जो को अपने समय में रखना चाहा। उसे आराधना करने के लिए कुछ बनाना था, इसलिए उसके गुणों ने यह उत्पन्न किया। तब उसने मनुष्य को बनाया। तब, उसने इस मनुष्य में, अकेलापन देखा। इसलिए, अब, उसके बड़े मस्तिष्क को, दर्शाने के लिए उसके पास जो मसीह और कलीसिया के चित्र था, उसने मिट्टी के अलग–अलग लोंदे नहीं लिए और एक स्त्री को बनाया, परंतु उसने आदम के एक ओर से, एक पसली ली; और आदम की आत्मा से नारीत्व को लिया, और इसे इस पसली में डाला दिया। जब आप एक मनुष्य को खोजें के समान व्यवहार करते हुए देखते हैं, तो वहां कुछ गड़बड़ है। जब आप एक स्त्री को देखते हैं कि वह पुरुषों के समान व्यवहार करना चाहती है, तो उसमें कुछ गड़बड़ है। देखिए, उसमें कुछ गड़बड़ है। ये पूरी रीति से दो भिन्न आत्माएं हैं। परंतु, एक साथ मिलकर, वे एक इकाई है, "यह दोनों एक है।" उसने स्त्री और पुरुष को बनाया, और उन्हें कभी भी बूढ़ा नहीं होना था, कभी भी मरना नहीं था, कभी भी सफेद बाल नहीं होना था, कभी भी। वे खाते, पीते, वे सोते, जैसा कि हम करते हैं, परंतु उन्होंने कभी नहीं जाना की पाप क्या था।

58 अब मैं यहां से हट कर निकलुंगा कभी उस दूसरे अध्याय के लिए, सर्प के वंश पर। जो, कि उन्होंने मुझे स्मरण कराया। परंतु उसने दे दी कि कोई आए और मुझे कुछ भिन्न दिखाएं। यही तो मैं जानना चाहता हूं, देखिए।

59 अब, परंतु इसके पश्चात भी, तब जब पाप अंदर बैठ गया, क्या घटित हुआ?

60 वहां दूर, ऊपर, वहां लाखों–करोड़ों मील दूर, वहां एक *इतना* बड़ा स्थान है, और वह सिद्ध अगापो प्रेम है। हर बार जब आप कदम को *इस* ओर उठाते हैं, यह एक इंच घटता है। और आप जानते हैं यह कितना

छोटा समय होगा कि वह पृथ्वी पर आ गया। यह छायाओ की छाया की एक छाया है। यही आपके पास है, यही जो है मेरे पास है, अगोपो प्रेम की एक छाया की छाया।

61 आपमें कुछ है, हर स्त्री में जो बीस को पार कर चुकी है, कुछ है, हर पुरुष में जो बीस पार कर चुका है, कुछ है, वे वैसा ही रहना चाहते हैं। आपके पास केवल पांच वर्ष है, वह पंद्रह से बीस। बीस के बाद आप मरना आरंभ हो जाते हैं। परंतु, पंद्रह से, आप किशोरावस्था में होते हैं तब तक बालक। और तब आप अपने बीस तक परिपक्व होते हैं। और बीस के बाद, ओह, आप कहते हैं, "मैं एक अच्छे मनुष्य के समान हूं।" आप यह कहते हैं, परंतु आप नहीं है। आप मर रहे हैं और जल रहे हैं, कोई मतलब नहीं आप क्या करते है। परमेश्वर ने आपको उस अवस्था तक बनाया, परन्तु उसके बाद आप मरने जा रहे हैं। अब क्या होता है? अब आप मरना आरंभ होते हैं, परंतु वहां आपमें कुछ है जो कहता है, "मैं फिर अट्ठारह का होना चाहता हूं।"

62 अब मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। क्या होता यदि आप पांच सौ वर्ष पहले जन्मे होते, और आज भी अठारह वर्ष के बने रहते? यदि आप अपने विचारो के साथ पुरानी मूल्यवान वस्तु नहीं होते, पांच सौ वर्ष पहले वाली, इसके पहले तीर्थ पूर्वज, कभी यहां पर आए होते, और आप इस प्रकार के विचारों वाली एक युवा महिला होती! क्यों, आप संपन्न होते थोड़ा आगे बढ़ गए होते और बूढ़े हो गए होते और पांच सौ वर्षों तक जीए होते। देखिए, कुछ गड़बड़ है।

63 आप कहते है, "अच्छा, अब मुझे अच्छा लग रहा है, भाई ब्रंहम। ओह, मैं—मैं—मैं अठारह की हूं, मैं सोलह की हूं, मुझे अच्छा अनुभव हो रहा है।" प्रिय, मैं आपको कुछ बता दूं। आप कैसे जानते हैं कि आपकी मां इस मिनट जीवित है, यदि वह यहां इस आराधनालय में नहीं है? आप कैसे जानते हैं कि आपका पुरुष मित्र अभी कुछ मिनटों पहले मरा हुआ नहीं था, या आपकी महिला मित्र? आप कैसे जानते हैं कि प्रातः आप अपने घर में मृत नहीं होंगे? आप कैसे जानते हैं कि आज रात्रि आप आरधनालय जीवित जा रहे हैं? यह ऐसी अनिश्चितता है। कुछ भी निश्चित है। यदि आप पंद्रह, बारह, उन्नीस, पचहत्तर या नब्बे है, वहां... हर चीज वहां अनिश्चित है। आप नहीं जानते कि आप कहां पर स्थिर है। परंतु फिर

भी आप पीछे पंद्रह, अठारह पर जाने की लालसा रखते हैं। आपसे यह कौन करवा रहा है?

64 अब यदि आप वापस होकर अठारह के ही बने रहे, और कभी बीमार ना हो और कभी... आपको अपने साथ और दूसरे लोगों को ही लेना होगा, क्योंकि आप इससे आगे बढ़ जाएंगे, देखा। लोग दूसरी आयू में चले जाएंगे और आप एक प्राचीन पुरातन होंगे। यह आप आदि उनके साथ बूढ़े होंगे तो आप उनसे अधिक बुरे होंगे। परंतु वहां कुछ है जो आपको वहां होने के लिए बुलाती है। यह वह छोटा अगोपो है, वह छोटी छाया जो आपको बनाती है... कुछ यहां ऊपर।

65 अब, उस रात्रि, या उस दूसरी प्रातः, सात बजे, जब पवित्र आत्मा अपनी भलाई और अनुग्रह के द्वारा, मुझे इस शरीर में से निकाल लिया, मैं विश्वास, मैं विश्वास करता हूं। हां या नहीं, मैं नहीं कहता, और उस देश में प्रवेश कर गया, और उन लोगों को देखा और वे सब युवा थे। और मैंने सुंदरतम लोगो को जो पहले मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा, देखे। और उसने मुझसे कहा, "उनमें से कुछ नब्बे वर्ष के थे। वे तुम्हारे मत परिवर्तित लोग है। कोई आश्चर्य नही वे चिल्ला रहे हैं, 'मेरे भाई! मेरे भाई!'"

66 अब वह स्वर्गीय देह है, कि जब हम मर जाते हैं तो हम मिथक नहीं बन जाते, हम देह हो जाते हैं। यदि हम प्रत्येक मर जाए, यदि, एटम बम हमें इसी मिनट उड़ा दे, अब से पांच मिनट बाद हम एक दूसरे से हाथ मिला रहे होंगे और एक दूसरे के गले लग रहे होगे, और चिल्लाना और चीखना और परमेश्वर की महिमा करना! जी हां, श्रीमान। और भाई और बहन स्पेंसर यहां बैठे हुए हैं, मैं समझता हूं यहां कि सबसे बूढ़े दंपति, अठारह, बीस वर्ष के होंगे। भाई नेविल एक नवयुवक लड़के होंगे, और मैं एक युवा बालक होऊंगा। और हम सब भी हो जाएंगे... यह बिल्कुल ठीक सत्य है। "यदि यह पृथ्वी पर का डेरा गिराया जाएगा, तो हमारे पास एक और प्रतीक्षा में है।"

67 जब व्यवहारिक जन्म में एक छोटा बालक माँ से जन्म लेता है, यह छोटा शरीर है जो फडकता और पैर कूदता हैं, और आदि–आदि। आप नवयुवतियो इस अभिव्यक्ति के लिए क्षमा करें। परंतु, जब यह होता है, यह जीवित मांसपेशियां, एक फडकना है। परन्तु जब यह पृथ्वी पर आता है, तो पहली बात, यह अपनी श्वास को पकड़ता है, और तब वहां प्रकृति

आत्मिक देह ठीक उस बालक में आती है। इसे छोड़ दे, वह अपना सिर मां की छाती की ओर बढ़ाता है और दूध पीने लगता है। यदि उसने नहीं किया, तो दूध भी नहीं उतरेगा।

68 क्या आपने कभी बछड़े पर ध्यान दिया है, जब वह जन्म लेता है… और जैसे ही वह बल पाता है कि अपने पैरों के बल खड़ा हो? यह कौन बताता है? अपनी मां के चारों ओर घूमता है और चारों ओर से बढ़ना आरंभ करके और दूध पीने लगता है। ओह, हां!

69 क्योंकि जब यह पृथ्वी के देह यहां लाई जाती है, तो एक आत्मिक देह पहले ही वहां इसके लिए तैयार होती है। और जैसे ही यह… ओह, हाल्लेलुय्या! "और यदि पृथ्वी का हमारा यह घर गिराया जाएगा, तो एक वहां प्रतिरक्षा कर रहा है।" और जैसे ही और हम इसमें बाहर कदम निकालते हैं, तो हम इसमें प्रवेश कर जाते हैं; वह जो पीने को ठंडा पानी नहीं मांगता, पानी पीने की उसे आवश्यकता नहीं है; वह जो नहीं खाते, वे इस भूमि की मिट्टी से नहीं बने हैं। परंतु वे ऐसे ही वास्तविक और स्पर्श और हाथों को मिलाया जा सकता है, और केवल प्रेम और हर चीज सिद्ध है। और वह देह वहां प्रतीक्षा कर रही है। यह उसका भाग है। वहां वे तीन है।

70 आप अपना अनंत जीवन यही वेदी पर आरंभ करते हैं। यहीं जहां आप अनंतता को आरंभ करते हैं। ओह! आप अनंत जीवन यही आरंभ करते हैं। तब आप नया जन्म प्राप्त किए हुए होते हैं, परमेश्वर के एक पुत्र। और तब जब आप मरते हैं, आप आरंभ करते हैं… जब आपकी मृत्यु आप पर इस देह में वार करती है और ह्रदय धड़कना बंद कर देता है, और मरणहार चक्र रुकना आरंभ हो जाता है, और वह छोटी छाया जो छाया की छाया की छाया है, एक सेकंड में वह छाया की छाया हो जाती है, तब अगले में वह छाया हो जाती है, तब अगली वह छोटी धार, तब वह नाली बन जाती है, तब आगे वह नदी हो जाती है, और आगे वह सागर बन जाती है, और कुछ समय पश्चात आप अपने प्रिय जनों की उपस्थिति में खड़े हुए होते हैं, वहां खड़े हुए, स्वर्गीय देह के वस्त्र में, जो आप एक दूसरे को जानते हैं, एक दूसरे से प्रेम करते हैं, आप नवयुवक में बदल जाते हैं और नवयुवती में फिर से। बिल्कुल ठीक बात है। यहां वहां पर जब तक प्रभु यीशु नहीं आता प्रतीक्षा करता है। और किसी दिन उसकी वह महिमा वाली देह… अब स्मरण रखें,

यह स्वर्गीय देह है, महिमा युक्त नहीं, एक स्वर्गीय देह। और किसी दिन यह स्वर्गीय देह यीशु के साथ स्वर्ग छोड़ेगी।

71 "क्योंकि मैं तुमसे कहता हूं," दूसरा थिस्सलुनीकियों, 5वा अध्याय, या पहला थिस्सलुनीकियों, 5वा अध्याय, एक या दूसरा, "मैं आपसे कहता हूं, मैं आपको अज्ञानता नहीं छोडूंगा, भाइयों, उनके विषय में जो सोते हैं, ताकि तुम शोक ना करो, जैसे की दूसरे जिनके पास कोई आशा नहीं। क्योंकि यदि हम विश्वास करते हैं कि मसीह मरा और तीसरे दिन, फिर जी उठा इसलिए वे भी जो मसीह में सोए हैं परमेश्वर उन्हें उसके साथ ले आएगा। क्योंकि हम तुम से यह कहते हैं यह प्रभु की आज्ञा के अनुसार है, ताकि हम जो जीवित है और प्रभु के आने तक बचे रहेंगे, आगे ना बढ़ेंगे या रुकावट होंगे" (सबसे अच्छा शब्द) "जो सोए हैं उनसे पीछे रहेंगे। क्योंकि प्रभु की तुरही फूंकी जाएगी, और जो मसीह में मरे हैं वे पहले जी उठेंगे।" ये स्वर्गीय देहें नीचे आती है और पृथ्वी की देह को पहनती है, महिमा युक्त देहे। "और हम जो जीवित हैं और बचे हैं एक क्षण में बदल जाएंगे, पलक झपकते ही, और उनके साथ मिलकर उठा लिए जाएंगे, कि हवा में प्रभु से मिले।"

72 "और मैं दाख का यह एस ना पीयुंगा ना ही और खाऊंगा जब तक कि तुम्हारे संग अपने पिता के राज्य में नया ना पिऊं," विवाह का भोज। साढ़े तीन वर्षों के लिए मसीहा विरोधी का राज्य समाप्त होता है, समस्त संसार नष्ट हो गया, यहूदी लोग बुलाए गए, यूसुफ स्वयं को अन्यजाति पर याने यहूदियों पर प्रकट करता है। स्मरण रखिए, जब यूसुफ स्वयं को अपने भाइयों पर प्रगट करता है, तब वहां एक भी अन्यजाति उपस्थिति नहीं था। जब वह भेजता... आपको कहानी मालूम है। यूसुफ, हर प्रकार से मसीह का सिद्ध रूप है। और जब यूसुफ ने अपने भाइयों को बुला भेजा, और उसने देखा, और छोटे बिन्यामीन को देखा, और उसने उन्हें वहां देखा और तब वह... उन्होंने कहा, "क्यों, यह व्यक्ति! हमें—हमें अपने भाई को नहीं मारना चाहिए था, यूसुफ को।" वे यहूदी ये देखते हुए कि उन्होंने गलती की है; अब जब मसीह, जब वह स्वयं को उन पर प्रगट कर रहा था। और यूसुफ इतना भर गया था, कि उसे लगभग रोना पड़ा, इसलिए उसने अपने पत्नी और बालको, और सारे अंग रक्षक और सब को वहां से भेज दिया, और उन्हें राजमहल में भेज दिया। यह बिल्कुल ठीक बात है। और तब केवल यहूदियों की उपस्थिति में, उसने कहा, "मैं तुम्हारा भाई यूसुफ

हूं। मैं तुम्हारा भाई हूं।" और तब वे गिर पड़े और कांपने लगे, कहा, "अब हम जान गए हैं कि यह हमें मिलेगा, क्योंकि यह कि हमने अपने भाई को मार डाला था। हमने कहा है हमने अपने भाई को घात किया है, और अब यह एक महान राजा है।"

73 उसने कहा, "परमेश्वर ने यह जीवन बचाने के उद्देश्य किया है।" ठीक यही कारण है कि परमेश्वर ने हम अन्य जाति को बचाने के लिए किया है। परंतु अन्य जाति महल में थे। हाल्लेलुय्या! यूसुफ, अपने भाइयों से अस्वीकार होने के बावजूद, उसने एक दुल्हन ली; और दुल्हन अन्यजाति थी, यहूदी नहीं। ठीक है।

74 अब कहां पहुंच रहे हैं? जब हम इस महिमामय देह में लाए जाते हैं, और वह महान युग जो आने को है; जब यह महिमा वाली देह, यह स्वर्गीय देह महिमा वाली देह बना दी जायेगी। आप समझे जो मेरा अर्थ है? तब मैं वहां जा सकता हूं और कहता हूं, "भाई नेविल!" मैं आपको एक छोटा उदाहरण दू। मैं कहता हूं, "भाई ह्यूमस आओ, आज प्रातः हम पिता के पास चले।" वह परमेश्वर है। अब हम उसे जानते हैं, वह बचाने वाला है, वह चंगा करने वाला है।

75 वहां भी पाप की उत्पत्ति जैसी चीज नहीं होगी। वह भला नीचे नहीं गया, क्या यह? पाप सृष्टि नहीं है। नहीं, श्रीमान! पाप एक विकृति है। केवल एक सृष्टिकर्ता है, वह परमेश्वर है। धार्मिकता की विकृति है। और व्यभिचार क्या है? धार्मिकता की विकृति। झूठ क्या है? यह सत्य का गलत प्रतिनिधित्व। निश्चय ही। श्राप शब्द क्या है? यह परमेश्वर की आशीषे, श्रापित शब्दों में बदल गई परमेश्वर को, बजाये आशीषो के। पाप सृष्टि नहीं है। पाप एक विकृत रूप है। इसलिए, शैतान पाप की सृष्टि नहीं कर सकता, वह केवल उसे विकृत करता है, जिसे परमेश्वर ने सिरजा है। यह बिल्कुल ठीक बात है। मृत्यु केवल जीवन का विकृत रूप है।

76 अब, इस पर ध्यान दें—इस पर ध्यान दें। तब मैं छोड़ दूंगा, और मैं कहूंगा, "भाई ह्यूमस, आप और मैं, भाई बीलर और कुछ भाई लोग, हम पिता परमेश्वर के पास जाएंगे। और, मान लीजिए, हम थोड़ी सी यात्रा करते हैं। आप लड़के पहाड़ों को पसंद करते हैं जब आप... "

"हां, निश्चय ही हमने किया।"

77 “ओह, वहां दूर लाखों मीलों, वहां उस ओर एक नया संसार है। वहां आगे बढ़ो, उनके ऊपर स्थान है।”

78 “मुझे... ? ... सूर्य को प्रतिदिन, ऊपर ऊंचे पर आ जाओ। मैं तुम्हारी सुनुंगा। जब वे बोल ही रहे होंगे, मैं सुनुंगा।” यशायाह 66। यह ठीक बात है।

79 और आप जानते हैं, मैं वहां होते हुए चल रहा हूं, हम सब वहां से होते हुए लगभग पांच सौ वर्षों में जाते हैं, बस एक छोटी सी यात्रा, दस लाख, कोई अंतर नहीं पड़ता, और अब—अब यह पागलपन सा प्रतीत होता है, परंतु यह सत्य है। देखिए, यह सत्य है, क्योंकि वहां कोई समय नहीं है, यह अनंतता है। और जब मैं वहां बाहर जाता हूं, मैं उसमें से होकर चलता हूं, और आप जानते हैं कि कौन वहां मुझे—मुझे—मुझे मिलता है? मैं कहता हूं, “अच्छा, यदि वह बहन जोर्जिया ब्रूस नहीं है! क्यों बहन जोर्जिया, आप को देखे हुए बहुत समय हो गया।” जैसी वह सदा से है वैसे ही दिखाई पड़ती है। समझे? हो सकता है वह दस लाख वर्ष की हो, परंतु वैसी ही युवा जैसी वह कभी थी। वह किसी की पीठ खुजा रही है, और मैं वहां देखता हूं, यह चीता, सिंह है।

मैं कहता हूं, “चीता आज प्रातः तुम कैसे हो? ”

80 “म्याऊं, ” बिल्ली के समान। “ओह, मैं वहां नीचे बहनों से बातें कर रहा था उनके चारों ओर बड़े–बड़े फूल थे, हम वहां पांच सौ वर्षों से थे, देखिए, उन्हें देख रहे हैं।” अब, यह पागलपन लगता है, परंतु यह सत्य है। यह बिल्कुल ठीक। परमेश्वर ने इसी प्रकार विचार किया है।

81 अच्छा, बहुत जोर्जिया आपके ह्रदय को आशीष मिले। कोई हानि नहीं आ सकती, कुछ भी नहीं। सांझ के समय में हम पहाड़ की चोटी के ऊपर जाएंगे, और कहेंगे, “ओह पापा, परमेश्वर, एक समय मैं खोया हुआ था। ओह, एक समय में पाप की गंदगी में था, पापा, परमेश्वर, और आपने मुझे बचा लिया।”

82 क्यों, लोग जो ऐसे व्यक्त करने का यत्न करते हैं ये पागल हो गए हैं। अच्छा, वह व्यक्ति जिसने उसका अंतिम पद लिखा है *ओह परमेश्वर का प्रेम,* जो पागल खाने की दीवार पर लिखा हुआ था, जिसने परमेश्वर के प्रेम को व्यक्त करने का यत्न किया था। कैसे वह पापियों को बचाने के लिए नीचे झुक गया, और कैसे जो उसने किया, उसका प्रेम जो नीचे उतरकर आया कि आपको और मुझे बचा ले। मैं आराधना के लिए विषय में बात करता हूं,

स्वर्गदूत इस विषय में कुछ नहीं जानते! आराधना, स्वर्गदूत केवल इतना ही जानते है... वह वहां खड़ा होकर अपने पंखों को आगे और पीछे करता है, और आरपार, “हाल्लेलुय्या! हाल्लेलुय्या!” परंतु, ओह, अनुग्रह! जब यह मालूम पड़ता कि मैं खोया हुआ था और अब मैं मिल गया हूं, मैं मरा हुआ था, मैं फिर से जी गया हूं! ओह परमेश्वर, मैं पाप था, मैं गंदा था, और मैं वहां एक कूड़े के ढेर पर था!

83 यहां वह सबसे अच्छा जो जीवन आपको जो दे सकता था। क्या आप कभी वहां कोलगेट के कूड़ा स्थान में गए हैं? बहुत बदबू वाला स्थान जहां मैं कभी गया हूं। वह धुआं उसकी बदबू मुझे बीमार कर देती है। वहां उस पुराने धुयें में पड़े हुए हैं, अपने पेट से बीमार, बस उल्टियां कर रहे हैं, जुलाब लेने के पश्चात। देखो, जितने बीमार की आप हो सकते हैं!चूहे आपके ऊपर दौड़ रहे हैं, आप को खाने का यत्न कर रहे हैं। और वहां जीवन का सबसे उत्तम है। और तब कोई नीचे उतर आया और आपको उठाया। और वास्तव में बूढ़े और अपनी सहायता नहीं कर सकते। और बस आपको उठा कर और अठारह वर्षीय लड़के में बदल दिया, आपको पहाड़ की चोटी पर बैठा दिया, स्वस्थ के पूरी बाहर में, ताजी हवा में, इस प्रकार अच्छी सांस, अच्छा ठंडा पानी। क्या आप उस कूड़े के ढेर पर फिर से वापस जाना चाहेंगे? कभी नहीं, कभी नहीं, कभी नहीं, कभी नहीं फिर उस ढेर पर वापस ना जाऊंगा।

84 अब, यही है जो इसका अर्थ है, मित्रों।यहीं वह दर्शन था रूपांतरण, जो भी है, दर्शन। मैं दर्शन कहूंगा, क्योंकि मैं डरता हूं रूपांतरण कहने से किसी को आघात पहुंचेगा यही वह था। अब, वही जहां परमेश्वर... यही जो परमेश्वर ने पुत्र और पुत्रियों को लाने के लिए किया। अब, यह लोग कौन हैं? कैसे उन्होंने किया... इन लोगों ने इस योग्यता के लिए क्या किया? कैसे उन्होंने कभी यह किया? परमेश्वर ने आरंभ में, इसके पहले कि कोई स्वर्गदूत बनाया गया... कितने जानते हैं कि वह अनंत है? यदि वह नहीं है, तो वह परमेश्वर नहीं है। इसलिए, परमेश्वर, अपनी अनंत दया में, उसने देखा कि लूसिफर ऐसा करेगा, यदि उसने इसे बनाया है। वह उन्हें उस आधार पर एक स्वतंत्र चुनाव के करने पर रख देगा। और आप अभी भी वहां हैं, यह सही है, हम में से प्रत्येक के सामने सही और गलत का वृक्ष लगा है, आप अपने चुनाव को करें। और लूसिफ़र गलत रास्ते को लेने वाला पहला व्यक्ति था। और वह उसके सामने आकर्षित करना शुरू कर

देता है, लालचियों के समान, अपने लिए सब कुछ लेने की कोशिश कर रहा है, किसी और को आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। और यही है जहाँ से इसकी शुरुआत हुई। अब, इसे सुनिए। यही है जहाँ से पाप आरंभ हुआ। परमेश्वर ने, अपने अनंत मन में, उसे देखा, और केवल एक ही तरिके को देखा...

85 अब, त्रिएकता वाले भाइयों, मैं आपको दुख नहीं पहुंचाना चाहता, परंतु कैसे परमेश्वर के नाम के अच्छे वचन से आप कभी भी यीशु को स्वयं परमेश्वर से एक अलग व्यक्ति कर सकते हैं? यदि यीशु किसी दूसरे व्यक्ति को लेकर और भेजता और इस व्यक्ति को छुड़ाने के लिए मरता, तो वह अन्यायी जीव होता। केवल एक ही मार्ग था कि परमेश्वर इसे कर सकता था, स्वयं उस स्थान को ले! और परमेश्वर देह बन गया ताकि वह मृत्यु की पीड़ा को चखें, और मृत्यु के डंक को ले और मृत्यु को हमसे दूर हटा ले, ताकि हम स्वयं उसके द्वारा छुड़ाए जाए। इसीलिए उसकी ऐसी आराधना की जाएगी। यीशु निश्चय ही, एक मनुष्य था। वह एक मनुष्य था, एम्–ए–एन, कुंवारी मरियम से जन्मा। परंतु जो आत्मा उसके अंदर था वह परमेश्वर था परिपूर्णता में, उसमें परमेश्वर की परिपूर्णता सदेह वास करती थी। वह यहोवा–यीरे था, वह यहोवा–राफा था, वह यहोवा मन्नेशे था, वह यहोवा था; हमारी ढाल, हमारी छोटी ढाल, हमारा चंगा करने वाला; वह अल्फा और ओमेगा था, आदि और अंत; वह पहला, और अंतिम था; वह था, वह है, और आएगा; दाऊद की जड़, और संतान, भोर का तारा, क्यों, वह सर्वे सर्वा था। उसमें परमेश्वर की परिपूर्णता सदेह वास करती थी!

86 और मृत्यु सदा डंकधारी थी, ताकि वह लोगों को डंक मारे, "ओह," शैतान कहता है, "मैंने तुझे ले लिया, क्योंकि तूने मेरी सुनी। आपको डंक मारता है, मैं तुझे कब्र में डाल दूंगा। वह भेड़ का लहू तेरी कोई सहायता नहीं कर सकता, वह केवल एक पशु का लहू है।" परंतु परमेश्वर ने, अपनी बुद्धि में, जान लिया कि एक मेमना आ रहा होगा, जगत की उत्पत्ति से पहले घात किया हुआ। जी हां श्रीमान। और वे... उसने उस समय तक प्रतीक्षा की, ताकि समय का पूरा होना है।

87 परंतु एक दिन जब यह मेमना आता है, यह मनुष्य शैतान भी मुर्ख बन गया। उसने उसे आसपास से देखा, उसने कहा, "यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो *यह* पर। यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो एक आश्चर्य कर्म कर और

मैं तुझे ये करते हुए। मैं देखू तुझे यह करते हुए देखूं। ओह–हो, मैं उसके मुख पर चिथड़ा लपेटूंगा, तुझे मारूंगा। यदि तू भविष्यवक्ता है, तो हमें बता किसने तुझे मारा।" ऊ! "मैं—मैं नहीं जानता मैं विश्वास नहीं करता कि तू वह व्यक्ति है। यदि तू है तो साफ–साफ बता कि तू कैसे हैं।" देखिए, सब इस प्रकार से। "ओह, हमें बता कि तू है!" उसने अपना मुंह नहीं खोला। ओह, ओह, तब क्या उसने अपनी आंखें बंद कर ली थी!

88 उसने आसपास चेलों को देखा, और कहा, "मैं अपने पिता से कह सकता था और वह मेरे पासवर्ड पास स्वर्गदूतो की बारह सेना भेज सकता था, यदि मैं चाहता।" पिलातूस ने यह नहीं सुना, आप जानते हैं।

89 "यदि तू है! यदि तू है। ओह, यह वह नहीं है। क्यों, उसे देखो लहू बह रहा है। अरे, कुछ में से कुछ सिपाहियों वहां जाओ और उसके मुंह पर थूको।" थूको, उसका उपहास उड़ाओ, उसके गाल पर से मुट्ठी भर के दाढ़ी उखाड़ लो। "ओह, यह वह नहीं है! नहीं यह वह नहीं! मैं इसमें अपना डंक गाड़ दूंगा, लड़के। मैं इसे वहां ले जाऊंगा। अब मैंने तुझे ले लिया!"

90 जब अंत में यह वह चिल्लाया, "एली! एली! मेरे परमेश्वर! मेरे परमेश्वर!" वह एक मनुष्य था। "तूने क्यों मुझे छोड़ दिया? "

91 गतसमनी बाग में, अभिषेक ने उसे छोड़ दिया था, आप जानते हैं, उसे एक पापी के समान मरना था। वह एक पापी मरा, आप यह जानते हैं; उसके पाप नहीं, परंतु मेरी और आपके। यही जहां प्रेम आता है, कैसे उसने मेरे ले लिए! ओह, हाल्लेलुय्या! कैसे उसने मेरे ले लिए!

92 और वह वहां था, वह अपना मुख नहीं खोल सकता था। उन्होंने डंकधारी ने कहा, "आप जानते हैं, मैं विश्वास करता हूं कि वह केवल एक साधारण मनुष्य था। वह कुंवारी से नहीं जन्मा, क्योंकि मैंने अपना डंक उसमें बैठा दिया।"

93 और यहां वह आता है, उसके डंक को अपने में सोखा दिया, परंतु लड़के वह गलत समय था! तब उसने अपना डंक वापस खींचा। तब से वह और डंक नहीं मार सका, उसने अपना डंक वही उसमें छोड़ दिया। तीसरे दिन जी उठा, और कहा, "मैं वह जो मर गया था, और फिर से जीवित हूं, और सदा तक जीवित हूं, मेरे पास मृत्यु और अधलोक की कुंजी है।" जी हां, श्रीमान। वह देखने में असफल रहा कि वह कौन था। "और

क्योंकि मैं जीवित हूं, इसलिए तुम भी जीओगे। यह अभी तक प्रगट नहीं हुआ... "

94 एक दिन, उसके तीन या चार दिन के पश्चात जब वह पिता के पास उठा लिया गया था, वापस आया था, तब कुछ ने कहा, "ओह वह... वो—वो तो प्रेत होना चाहिए। उसे तो कुछ इसी प्रकार का होना चाहिए, वह व्यक्ति प्रेत संबंधित है। और हम... तुमने उसे देखा है। तुमने दर्शन देखा है।"

"नहीं, वह वास्तविक यीशु था।"

95 थोमा ने कहा, "मुझे उसके हाथों को देखने दो और सब चीजें, मैं तुम्हें बताऊंगा यदि वही है तो।"

96 उसने कहा, "मैं यहां हूं।" कहा, "क्या तुम्हारे पास मछली या रोटी है? मुझे सैंडविच दो।" और वे उसके पास रोटी लाए, और उसने वहां खड़े होकर और उसे खाया। कहा, "अब, क्या आत्मा ऐसे खाती है जैसे मैंने खाया? क्या आत्मा के मांस और हड्डी जैसे मेरे होता है? " समझे? उसने कहा, "मैं वही हूं। मैं वही हूं।"

97 और पौलुस ने कहा, "यह तो अभी तक ठीक–ठीक प्रगट नहीं हुआ कि हमारे पास किस प्रकार की देह होगी, परंतु हम जानते हैं हमारे पास उसके समान देह होगी।" क्या? क्या उसके पास कभी स्वर्गीय देह थी? जी हां, श्रीमान! जब वह मरा, बाईबल ने कहा कि "वह," फिर से व्यक्ति वाचक संज्ञा है, "वह अधोलोक में गया उसने उन प्राणों को कैद में प्रचार किया।" हाल्लेलुय्या! और उसने यह कैसे किया? उसके पास अनुभव कि इंद्रियां थी, उसके पास सुनने की इंद्रियां थी, उसके पास बोलने की इंद्रियां थी, उसने उसी प्रकार की देह में होकर प्रचार किया जो मैंने उन्हें वहां महिमा में उस रात्रि देखा था। उसने उन प्राणों को प्रचार किया जो अधोलोक में थे, जिन्होंने नूह के धैर्य के दिनों में प्राश्चित नहीं किया।

98 परंतु जब वह ईस्टर पर जीवित हो उठा, यह संभव नहीं था कि वह देह सड़े, क्योंकि भविष्यवक्ता दाऊद ने इसे पहले से देखा, "मैं उसके प्राण को अधोलोक में ना छोडूंगा, ना ही मैं अपने पवित्र को सड़ने दूंगा। बल्कि मेरी देह आशा में विश्राम करेगी क्योंकि वह मेरे प्राण को अधोलोक में, ना छोड़ेगा ना ही वह वह मेरे पवित्र जन को सड़ने देगा।" और बहत्तर घंटो में इसके पहले सड़ाहट आरंभ हो सके, वह दैविक शरीर थियोफनी, वह देह

जिसने जाकर उन प्राणों को प्रचार किया जो कैद में थे, जिन्होंने नूह के धैर्य के दिनों में प्राश्चित ना किया था, फिर जी उठा, और अमरणहार ने मरणहार को पहन लिया, और वह खड़ा हो गया, और उसने खाया और उसने हमें यह बताया कि वह एक मनुष्य था। हाल्लेलुय्या!

99 भाई ईवान, हम उसको ऐसे देखेंगे। जब वह दाऊद के सिंहासन पर विराजमान होगा। हाल्लेलुय्या! जब हम ऊपर और नीचे अब चलेंगे, मैं आपके साथ पहाड़ों पर लाखों वर्ष की यात्रा पर जाऊंगा, देखिए, थोड़े से दिन, थोड़ी सी देर के लिए, हम वहां पार जाएंगे, वहां पर बैठेंगे।

100 आप जानते हैं, यह खाने का समय आता है, पहली बात आप जानते हैं, बहन वुडस ने कहा... मैंने कहा, “बहन, वुडस, अच्छा आप इतने समय से कहां थी? मैंने आपको समय से नहीं... देखा मुझे ऐसा लगा जैसे यह पंद्रह मिनट थे।”

“ओह, यह दो हज़ार वर्ष पहले था, भाई ब्रंहम।”

101 “ओह। आप कैसा अनुभव कर रहे हैं? ” ओह, सही में सिवाए अच्छे के और कुछ अनुभव नहीं कर सकते।

102 “कहे, लड़कों यहां, आओ, मैं भाइयों आपको सब कुछ दिखाऊंगा, मेरे प्रिय भाइयों। यहां, यहाँ पर पानी का झरना है, सबसे अच्छा जो आपने कभी पिया होगा। और, ओह, हमें अच्छा ठंडा पानी मिलेगा। मैं वहां जाऊंगा और अंगूर का एक बड़ा गुच्छा लुंगा, और हम वहां पर बैठकर और इसे खाएंगे।” क्या यह शानदार नही होगा? बिल्कुल ठीक यही है। यह ऐसा ही है।

103 हमने इसे कैसे पाया? हम इसे कैसे जानते हैं? परमेश्वर ने, पृथ्वी के रचने से पहले, हमें ठहराया है! किसे? वे जो प्रतिज्ञा के देश में है।

> *... और अपनी इच्छा कि सुमति के अनुसार यीशु मसीह के... द्वारा लेपालक पुत्र होने के लिए हमें पहले से ठहराया...*
>
> *उसकी महिमा की* स्तुति के लिए...

ताकि जैसा उसने कहा हम उसकी उसकी स्तुति कर सके। यही वह जो परमेश्वर था। हम उसकी स्तुति करना चाहते हैं।

> ... कि उसके उस *अनुग्रह की महिमा* की स्तुति हो, जिसे उसने हमें *उस प्यारे में सेंत मेंत दिया।* (मसीह में हम ग्रहण योग्य है।)

हमको उसमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा अर्थात एस–आई–एन–एस *पापों की क्षमा*...

104 मुझे वापस लेपालकपन पर जाना है, परंतु मैं यहां "पापों" पर एक मिनट के लिए रुकना चाहता हूं। "पापो," क्या आपने इस बात पर ध्यान दिया? आप जानते हैं कि परमेश्वर पापी को पाप करने के लिए दोषी नहीं ठहराता? वह उसको पापी होने के लिए दोषी ठहराता है। यदि एक पापी सिगार पीता है, वह उसे इसके लिए दोषी नहीं ठहराता; जो भी है, वह पापी है। समझे? समझे? उसके पास कोई पाप नहीं है, पापी के पास नहीं है। वह तो केवल पापी है, देखिए, उसके पास कोई पाप नहीं है। परंतु आपने पाप किया, आप जो मसीही है। आप ध्यान दें वह यहां कलीसिया से बाते कर रहा है। उसे ठीक रखा। समझे? समझे? "पापो की क्षमा," एस–आई–एन–एस पापो। हम पाप करते है। परंतु पापी तो बस पापी है, परमेश्वर उसे क्षमा नहीं करता।

105 अब आप चाहते हैं, "अच्छा, हम वहां गए और एक पुरुष को गोली मार दी। अब आप इस विषय में क्या करने जा रहे हैं?" यह मेरा कार्य नहीं है। मैं सुधारक नहीं हूं, मैं एक प्रचारक हूं। कानून इस मामले को देखेगा, वे सुधारक है। वे है... "अच्छा," कहते हैं कि, "उसने व्यभिचार किया है।" यह, यह—यह कानून पर निर्भर करता है। यह उसके और कानून के मध्य में है। मैं—मैं—मैं—मैं सुधारक नहीं हूं, मैं लोगों को सुधारता नहीं हूं। मैं उनका मत परिवर्तन करना चाहता हूं। देखिए मैं एक प्रचारक हूं, मेरा कार्य उसको परमेश्वर के पास ले जाना है। यदि उसने पाप किया, यह उसका कार्य है, वह पापी है। परमेश्वर उसे ऊंचे स्तर पर दोषी ठहराता हैं। वह आरंभ से ही पापी है, वह आरंभ से ही दोषी है। उसके पास तो पहला आधार भी नहीं है, वह—वह तो कही नहीं है। वह आरंभ से ही पापी है। उसके पास कोई पाप नहीं है, वह पापी है।

106 आप बाहर जाकर यह नहीं कह सकते, "*इतनी* तो रात्रि है, और *इतनी* रात्रि नहीं है।" नहीं, यह सारी रात है, बस सारी रात है। यही जो परमेश्वर ने कहा। यह ठीक बात है, वह केवल एक पापी है, बस। "अब, उसने यह किया है, *इतनी* रात है, *यह* वास्तविक चमकीली रात्रि है यहां पर।" मैं जानता हूं, कि यह केवल रात्रि है, बस। समझे?

107 मैं यह नहीं कर सकता "*यहां* पर इतना उजियाला है।" नहीं, यह तो सारा का सारा उजियाला है, देखिए, केवल उजियाला, आप नहीं कर सकते कि कितना। समझे? परंतु यदि यह *इस*में काला धब्बा है, तो फिर इसमें अंधियारा है।

108 इसलिए "पापों," एस–आई–एन–एस, हमारे पास हमारे पापों के लिए उसके (क्या?) लहू के द्वारा क्षमा है, मूल्यवान लहू।

... *उसके असीम के द्वारा...*

109 हम इसे कैसे भूल सकते हैं? क्योंकि हम योग्य हैं, हमने अपने पापों की क्षमा के लिए कुछ किया है? उसका क्या?

... *अनुग्रह;*

110 ओह, प्रभु! प्रभु, मैं अपने हाथों में कुछ भी नहीं लाता। मैं कुछ भी नहीं कर सकता, ऐसा कुछ भी नहीं जो मैं कर सकता था। देखिए! उसने मुझे पहले से ठहराया, उसने मुझे बुलाया, उसने मुझे चुना। मैंने उसे कभी नहीं चुना। उसने मुझे चुना, उसने आपको चुना, उसने हम सब को चुना। हमने उसे नहीं चुना। यीशु ने कहा, "तुमने मुझे नहीं चुना, मैंने तुम्हें चुना है।" उसने कहा, "मेरे पास कोई नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता पहले उसे ना खींच ले, वह सब जो पिता ने मुझे दिया है मेरे पास आएगा। और उनमें से कोई भी ना खोया, सिवाए विनाश के पुत्र के कि वो—वो वचन पूरा हो।" आपने समझा? कहा, "परंतु सब जो पिता ने मुझे दिया है मेरे पास आएगा।"

111 ओह, मैं बहुत देर कर रहा हूं, क्या नहीं? और मैं इस से कभी बाहर नहीं जाऊंगा। अभी तो मैंने इस पर आरंभ भी नहीं किया। मुझे जल्दी–जल्दी करना है, अब जल्द ही मुझे किसी बात पर आना है, और हम जल्दी करते हैं। मुझे अभी इस लेपालकपन पर वापस जाना है एक मिनट। ओह, क्या आप एक मिनट के लिए—के लिए मुझे क्षमा करेंगे? आइए हम इसे यहां पर ले कुछ लोग दूर जॉर्जिया से है, यहां केवल आज रात्रि के लिए, उनके हृदय को आशीष मिले। अब, जार्जिया के भाई लोगों, और टेक्सास और आप लोग जहां कहीं से भी है, इसे सुने 5वा पर। हम इसे कुछ मिनटों के लिए लेंगे।

हमें पहले से ठहराया है के लिए—के लिए...

112 "के लिए" का क्या अर्थ है, शब्द "के लिए"? इसका अर्थ है कि हम किसी चीज के लिए आ रहे हैं। "मैं झरने तक जा रहा हूं। मैं कुर्सी तक जा रहा हूं।" ह्यूमस, तुम यह समझे? "मैं मेज तक जा रहा हूं।"

अब, उसने हमें पहले से ठहराया कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हो अपनी भली इच्छा की सुमति के अनुसार,

113 कितने आनंद के साथ? यह किसका आनंद था, किसकी भलाई? उसकी अपनी। उसके अपने इच्छा की सुमति के अनुसार।

114 अब, "लेपलकपन" क्या है? अब मैं इसे ले लू मैं नहीं जानता कि... इसे लेने के लिए मेरे पास समय नहीं है, परंतु मैं इस पर जोर दूंगा। तब यदि कोई प्रश्न है, तो आप बाद में किसी समय पूछ सकते हैं संदेश में, कुछ। सुनिए। आपका लेपालक होना आपका जन्म नहीं है। आप लेपालक होना आपको स्थान पर स्थापित करना है। जब आपका नया जन्म हुआ, यूहन्ना 1:17, मैं विश्वास करता हूं, जब हम परमेश्वर के आत्मा से जन्मे, तो हम परमेश्वर के पुत्र हैं। परन्तु हम पहले से ठहराए हुए थे। अब मैं आपको यहां पर लाने का यत्न कर रहा हूं, कि अंतिम दिन के ये पुत्र, आप देखिए, कि... देखा? हम लेपालक होने के लिए (निमित) ठहराए गए।

115 अब, अब हम यहां पर हैं। अब, यहां बात पेंटीकोस्टलो के थोड़ा दुख पहुंचाती हैं। वे कहते हैं, "मैंने नया जन्म पाया है! प्रभु का धन्यवाद हो, पवित्र आत्मा मिल गया!" बहुत अच्छा। आप परमेश्वर के बालक है। यह ठीक बात है। परंतु फिर भी यह वह नहीं है जिस विषय में मैं बात कर रहा हूं। देखिए, आप लेपालक होने के लिए ठहराए गए थे। लेपालक, यह पुत्र को यथा स्थान पर रखना है।

116 मैं इसके बहुत समीप हूं, क्योंकि बैकी ने मुझे बताया है मैं इसके बहुत समीप आ गया हूं, आप पीछे नहीं सुन सक रहे हैं। मैं...

117 देखिए, एक बालक। आप में से पुराने नियम की लेपालक की व्यवस्था को कितने लोग जानते हैं? ठीक है, आपने देख लिया है। एक पुत्र जन्मा था। मेरा विश्वास है कि मैंने इसे किसी उपदेश में लिया था। जीन, वह क्या था, तुम्हें स्मरण है? यह टेप में है। ओह वह क्या था? मैंने—मैंने—मैंने—मैंने उस पर प्रहार किया था। ओह, हां, मुझे यह मिल गया, *तुम उसकी सुनो, तुम उसकी सुनो;* बालकों का लेपालक होना।

118 अब, पुराने नियम में, जब एक—जब एक बालक एक परिवार में जन्म लेता था, जब वह जन्मा था तो वह एक बालक था, क्योंकि उसने अपने माता–पिता से जन्म लिया, वह परिवार का एक पुत्र था और सब चीजों का वारिस। अब, परंतु यह पुत्र एक शिक्षक के द्वारा बड़ा किया गया। गलतियों 5वा अध्याय, 17वे से 25वे पद तक। ठीक है। वह एक शिक्षकों के द्वारा पाला गया, शिक्षकों के द्वारा। अब, मान लीजिए, यदि मेरे यहां एक पुत्र जन्म लेता, मान लीजिए, मैं एक पिता और...

119 और यही कारण है कि किंग जेम्स में, कितनों ने कभी यह सोचा कि यह पढ़ने में अजीब सा है किंग जेम्स संस्करण में, कहा, "मेरे पिता के घर में बहुत से बड़े–बड़े घर है"? एक घर, बहुत बड़े–बड़े घर। समझे? वास्तव में, बाईबल के दिनों में—में किंग जेम्स के लिए अनुवाद किया गया, एक *घर* एक "राज्य" था। "मेरे पिता के *राज्य* में बहुत सारे बड़े–बड़े घर है।" घर में नहीं, बड़े–बड़े घर, परंतु वह इस राज्य का पिता कहलाया गया था। उनके पास बाईबल में, यह बाईबल के अनुसार है यह इसी प्रकार से है।

120 जब पिता के पास एक बड़ा विशाल हजारों एकड़ का फार्म था, या कुछ ऐसा, उसके पास लोगों के झुंड *वहां* रह रहे थे। उसने *यहां* पर रहने वाले लोगों को भेड़ों के देखभाल के लिए मजदूरी कर लिया, उसके पास कुछ *यहां* पर पशुओं की देखभाल के लिए थे, *यहां* उसके पास कुछ वहां ऊपर की पहाड़ी पर चले गए, सैकड़ों मील, और कुछ *यहां* उसके पास बकरियों की देखभाल के लिए, और कुछ उसके लिए खच्चरों की और—और भिन्न–भिन्न चीजों की देखभाल के लिए थे। बस उसके—उसके पास एक बड़ा राज्य था। और वह अपने एक छोटे से गधे पर सवार हुआ और चारों ओर प्रत्येक को देखने के लिए गया और देखा कि वे कैसे कर रहे हैं, भेड़ों के बाल कतरने वाले और इस प्रकार से सारी चीजें। उसके पास समय नहीं था...

121 जब मैं यहां से हट जाता हूं तो आप सुन नहीं पा रहे हैं। मैं—मैं—मैं यहीं पर रहने का यत्न करूंगा। क्या अब आप मुझे सुन सकते हैं, यहां? देखिए।

122 वह सवार होकर चला गया, और अपने—अपने—अपने राज्य की देखभाल करने के लिए—के लिए। इसलिए अब वह चाहता है... कि पुत्र

उसकी हर चीज का वारिस होने जा रहा है जो उसके पास है। वह एक वारिस है।

123 और जब हम परमेश्वर के राज्य में यीशु मसीह के द्वारा जन्म लेते हैं, तो हम स्वर्ग के वारिस है, यीशु के साथ संगी वारिस, क्योंकि उसने हमारा स्थान ले लिया। वह हम बन गया (पाप), ताकि हम वह बन सके (धर्मी)। समझे? वह मैं बन गया ताकि मैं वह हो जाऊं, देखिए, उसके साथ संगी वारिस। ठीक है, अब स्मरण रखें, कि, आप में से प्रत्येक।

124 अब, स्मरण रखें, परमेश्वर ने आपको ठहराया है, अपने पूर्व ज्ञान के द्वारा, ताकि आप इस पर आ रहे हैं। प्रत्येक जो समझ रहा है, अपने हाथ उठाएं, देखो। परमेश्वर ने अपने पूर्व ज्ञान के द्वारा, आपको पहले से ठहराया कि आप प्रतिज्ञा के देश में। आज एक मसीही के लिए प्रतिज्ञा का देश क्या है? यदि आप जानते हैं तो अपना हाथ खड़ा करें। "यह प्रतिज्ञा तुम और तुम्हारी संतानों के लिए है, उनके लिए जो दूर-दूर है। यहोवा यों कहता है यह अंतिम दिनों में घटित होगा, कि मैं अपना आत्मा हर देह पर उडेलुंगा, तुम्हारे पुत्र और तुम्हारी पुत्रियां।" और यशायाह 28:18, "अवश्य ही वचन पर वचन, आज्ञा पर आज्ञा होना है; थोड़ा यहां, थोड़ा वहां। जो अच्छा है उसे कस कर पकड़े रहो। क्योंकि कांपते हुए होंठों के साथ और अन्य भाषाओं के साथ मैं इन लोगों से बात करूंगा। और यह विश्राम है, वो—वो विश्राम, सब्त का देश जो मैंने कहा उन्हें उसमें प्रवेश करना चाहिए। और, इसके लिए, वे नहीं सुनेंगे, परंतु अपने-अपने सिर हिला कर चले गए, और इसे नहीं सुनेंगे।" समझे? बिल्कुल ठीक।

125 यह क्या था? ठीक उन लोगों के समान जो लोग कानान से आए याने मिस्र से आए, जंगल में से होते हुए, और ठीक अगला, इतने पास की अंगूर चखे जो उस देश से आए थे। भाई, वहां, वे पुरुष मुझसे चाहते हैं कि उसे फिर लू, जो इब्रानियो 6 में है। मैं यह कैसे कर सकता हूं? वे किनारे के विश्वासी, वे वहां कभी नहीं जाएंगे! वे वहां नहीं जा सकते। यीशु ने कहा, "हमारे... "

उन्होंने कहा, "हमारे पुरखाओं ने जंगल में मन्ना खाया।"

126 और यीशु ने कहा, "और वे, सब मर गए।" वह चीज अलग हो गई। उनमें से प्रत्येक मर गया। यह ठीक बात है। कहा, "परंतु मेरे जीवन की रोटी हूं जो स्वर्ग से परमेश्वर के पास से आई है। जो मनुष्य इस रोटी में

से खाएगा, वह कभी ना मरेगा। यह ठीक बात है। जी हां, श्रीमान, यदि वह इसे खाएगा तो अनंत जीवन पाएगा, मैं अदन की वाटिका से जीवन का वृक्ष हूं।"

127 अब, देखिए, ये लोग बहुत समीप आ गए! देखिए, यदि आप इब्रानी छह में ध्यान दें, उस पर वापस नहीं जा रहे हैं, परंतु इब्रानियों 6, "यह लोग एक बार भागी हुए, इनने पास आए, और स्वर्गीय वरदान का स्वाद चखा।" वे आसपास बैठे, उन्होंने चंगाई होते देखी, उन्होंने लोगों को परमेश्वर की सामर्थ में देखा, उन्होंने जीवनों को बदलते देखा, परंतु वे वहां पर हाथ नहीं रखेंगे। नहीं, श्रीमान। नहीं, श्रीमान। "और आने वाले संसार की सामर्थ को चखा; और यदि वे वह प्राश्चित से स्वयं को फिर नया बनाने का यत्न करना चाहिए, उनके—उनके यह देख लेने से तो वे परमेश्वर के पुत्र को फिर से क्रूस पर चढ़ाते हैं, और उस वाचा के लहू को जिससे वे शुद्ध हुए थे... "

128 "मैं उस कलीसिया से संबंधित हूं जो पवित्र करण में विश्वास करती है।" जहां तक यह जाता है अच्छा है, परंतु आप अधिक दूर ना जाए। समझे? जी हां, श्रीमान। सूनसान जंगल ने उन्हें पवित्र किया। हां, वास्तव में। उनके पास—उनके पास पीतल का सांप था और वो—वो पीतल की वेदी, और वहां हर चीज पवित्र की हुई, परंतु वे विश्राम के लिए फिलिस्तीन में प्रवेश कर गए। क्या नहीं...

129 यहां इब्रानी 4 में देखिए, क्या उसने "दूसरे विश्राम" के लिए नहीं कहा? परमेश्वर ने सातवें दिन की सृष्टी की और उन्हें सातवें दिन विश्राम किया। दूसरे स्थान में उसने विश्राम दिन के लिए बोला, "और आज दाऊद में।" तब उसने उन्हें दूसरा विश्राम दिया, "बोझ से थके मांदे लोगों तुम मेरे पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दूंगा।" इस विश्राम में प्रवेश करो! क्योंकि हम जो इस विश्राम में प्रवेश कर चुके अपने कार्यों को बंद कर चुके जैसे परमेश्वर ने अपने सब्त में किया। निश्चय ही। यही आपका सब्त है विश्राम। यहां इस प्रतिज्ञा के देश में आपका वास्तविक विश्राम है।

130 पवित्र आत्मा लोगों की प्रतिज्ञा है। और वे क्यों शिक्षित ज्ञानी प्रचारकों को चाहेंगे जो उन्हें छोटे–छोटे कपड़े पहनने दे, और बाल काटने दे, और लिपस्टिक लगाने दे, और मनुष्य जो जुआ खेलते और बीयर पीते और चुटकुले सुनाते, और इसी प्रकार जीवन बिताते हैं, और स्वयं को कलीसिया

का सदस्य कहते हैं? वे क्यों, इस प्रकार की चीज को लेंगे और पवित्र आत्मा की अगुवाई का इनकार करेंगे! क्यों, बाईबल ने कहा परमेश्वर का वचन दोधारी तलवार से भी अधिक तेज है जो हड्डियों, और ह्रदय के विचारों को काटता। जी हां, मस्तिष्क के विचारों को भी!

131 और यदि हम संसार या संसार की चीजों से प्रेम रखते हैं, तो परमेश्वर का भी हम में नहीं। "बहुत से बुलाए गए, थोड़े से चुने गए; क्योंकि सीधा है वह फाटक और सकरा है वह मार्ग जो जीवन को जाता है, और थोड़े ही होंगे जो उसे पाएंगे। उस दिन बहुतेरे मेरे पास आएंगे और राज्य में बैठेंगे," यीशु ने कहा, "अब्राहम, इसहाक और याकूब के साथ। परंतु राज्य की संतान बाहर निकाली जाएगी, और कहते हैं, 'क्या हमने तेरे नाम से *यह* नहीं किया? और क्या हमने प्रचार नहीं किया? क्या हम डॉक्टर *अमुक–और–अमुक* नहीं है और आदरणीय *अमुक–और–अमुक*?' 'मैंने तुम्हें कभी नहीं जाना। और मेरे पास से चले जाओ तुम कुकर्म करने वालों, मैंने तुम्हें नहीं जाना।' वह सब नहीं जो, 'प्रभु, प्रभु,' कहते हैं अंदर प्रवेश करेगा। परंतु केवल वह जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा को पूरा करता है, वही भीतर जाता है।"

132 आप यही इसी स्थिति में है, जो प्रतिज्ञा के देश प्रवेश कर रहे हैं। हम इसमें कैसे जाते हैं? हम इसके लिए ठहराए गए हैं। कलीसिया, परमेश्वर के पूर्व ज्ञान के द्वारा, पहले से ठहराए गए हैं (किस लिए?) उसके अनुग्रह के द्वारा, उसके सम्मान के लिए, उसकी महिमा के लिए और आराधना और परमेश्वर की महिमा के लिए। पिता, वहां आरंभ में बैठे हैं, स्वयं अस्तित्व उसके आसपास कुछ नहीं है, अपनी आराधना के लिए कुछ चाहता है, इसलिए उसने पहले से अभिषिक्त और ठहराई हुई कलीसिया, और संसार के रचने से पहले, और उनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखे, जब वे... पृथ्वी की सृष्टि से पहले घात किया गया, ताकि वे उसकी महिमा में प्रकट हो सके और उसकी प्रशंसा अंत समय में, जब वे सारी वस्तुएं उस एक मनुष्य में एकत्र की जाएगी, मसीह यीशु में। ओह! महिमा हो! यही बात है। यह केवल... और यही ठीक वहां पर है, मेरे भाई बहनों, इससे कभी भी ना हटना।

133 परमेश्वर उसके चुनाव अनुग्रह के द्वारा, आपको बुलाया है, परमेश्वर ने अपने चुनाव अनुग्रह के द्वारा आपको पवित्र किया। परमेश्वर, अपने चुनाव

अनुग्रह के द्वारा और उसकी सामर्थ आपको बपतिस्मा दिया और आपको विश्राम के देश में रखा। वे जो इस विश्राम में प्रवेश कर गए अपने भटक जाने से रुक गए। उन्होंने अपने कार्य समाप्त कर लिए जैसे परमेश्वर ने किए। उनके पास ना बता सकने वाला आनंद है, और महिमा से भरा हुआ! जीवन का वृक्ष उनमें फल फूल रहा है। उनके पास धीरज, नम्रता, भलाई, धैर्य, विश्वास बनाता है, विश्वास, नम्रता, सज्ञनता और आदि–आदि है। जीवन का वृक्ष उन में खिल रहा है क्योंकि उनकी आशा का लंगर मसीह यीशु में है, पवित्र आत्मा की गवाही चिन्हों के साथ गवाही देता है और आश्चर्यकर्म विश्वासियों से होते हैं। "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।" जब वे चलते हैं, तो बीमार चंगे करते हैं, वे प्रेतों को निकालते हैं, वे अन्य–अन्य भाषाएं बोलते हैं, वे दर्शन देखते हैं। वे... और वे परमेश्वर के संग चलते हैं, वे परमेश्वर से बातें करते हैं। उन्हें कोई दुष्ट आत्मा हिला नहीं सकती, वे स्थिर है प्रतीक्षा देख रहे हैं... ? ... बीती बातों को भूलते जा रहे हैं, वे अपनी स्वर्गीय बुलाहट की ओर बढ़ते जा रहे हैं, मसीह यीशु में बुलाए जा रहे हैं। वे वहां पर है। वे वहां है। यही कलीसिया है।

134 वे वहां कैसे पहुंचे? आप नहीं कह सकते, "अच्छा, प्रभु, आप जानते हैं, एक दिन मैंने सिगार पीना आरंभ किया, और मैं गिर पड़ा, और तब मैंने सोचा मैं करूंगा... " ओह, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं।

135 पहले से ठहराए हुए! उसने हमें बुलाया, और जब हम उसके पीछे चले वह तब ही हम कहते हैं, "परमेश्वर हम खोए हुए थे और बेकार। हमारे पास इतनी भी बुद्धि नहीं थी कि स्वयं को बचा लेते। हम स्वभाव से एक सुअर थे, हमारा स्वभाव आरंभ से ही सूअर का था।"

136 आप जाकर सूअर के बाड़े को देखें और पुरानी सुअरी को देखें, और कहे, "अब, इधर देखो, बड़ी बूढी, मैं तुम्हें कुछ बताना चाहता हूं। तुम्हारे लिए अच्छा नहीं कि किचड़ में मुंह मारो।"

137 वह कहेगी, "होंक–होंक।" समझे? अब, यह वैसे ही है जैसे आप अपने को बचा रहे हो। ठीक ऐसे ही।

138 आप कहते हैं, "महिला, आपको इस प्रकार के कपड़े नहीं पहनने चाहिए, आपको साफ सुथरे कपड़े पहनने चाहिए। आपको *यह* करना चाहिए। आपको वहां नहीं जाना चाहिए... आपको यह ताश की पार्टी में नहीं

होना चाहिए। आपको सिगरेट नहीं पीनी चाहिए। आपको *यह* नहीं करना चाहिए। श्रीमान, आपको *यह* नहीं करना चाहिए।"

139 वह कहता है, "होंक–होंक। मैं *होंक–होंक* से हूं।" ओह–हो। "होंक," यह वही है जो वे जानते हैं। "अच्छा, मैं आपको बता दूं मैं आपके समान ही भला हूं जैसे आप हैं। होंक–होंक!" देखिए, वे पवित्र आत्मा की अगुवाई को अस्वीकार करते है, क्योंकि बाईबल ने कहा कि यदि तुम संसार से प्रेम करते हो या संसार की वस्तुओं से, तो तुम में परमेश्वर का प्रेम है ही नही।

140 उन्हें क्या विचित्र बनाता है? आप एक पवित्र राष्ट्र है। आपने क्या किया है? उस देश के बाहर प्रवेश कर गए। आप दूसरे देश में हैं। आप वहां कैसे पहुंचेंगे? वह प्रतिज्ञा का देश है। किस प्रकार की प्रतिज्ञा? "परमेश्वर ने कहा, कि अंत के दिनों में यह घटित होगा, मैं अपना आत्मा सब प्राणियों पर उडेलुंगा।" एक ही आत्मा के द्वारा हम सब ने इस प्रतिज्ञा के देश में बपतिस्मा लिया। आमीन। भाइयों और बहनों, हाल्लेलुय्या, ह्रदय की शुद्धता के साथ, कोई द्वेष, नहीं कोई शत्रुता नहीं, कुछ नहीं! मैं चिंता नहीं करता यदि एक भटक जाए, कोई मतलब नहीं वह क्या करता है, आप उसके पीछे जाएंगे।

141 अधिक समय नहीं हुआ मैं एक भाई के पीछे, जो भटक गया था। एक नवयुवक ने मुझसे कहा, "उस व्यक्ति को जाने दो। उसे छोड़ दो।"

142 मैंने कहा, "यदि मैं कभी ऐसे एक स्थान पर आ जाऊं कि मेरा ह्रदय मेरे भाई के साथ ना हो तो, फिर मेरे लिए वह समय है कि मैं वेदी पर जाऊं, क्योंकि मैं अनुग्रह से गिर गया हूं।" मैंने कहा, "मैं तब तक जाऊंगा जब तक उसके शरीर में श्वास है, और मैं मार्ग में कहीं उसे पकड़ लूंगा।" जी हां, श्रीमान। और मैंने उसे पकड़ लिया, हाल्लेलुय्या, उसे वापस ले आया। जी हां, श्रीमान। अब वह सुरक्षा में आ गया है। जी हां, श्रीमान। वह वैसे ही निश्चित रूप से भटक कर चला गया था जैसे संसार।

143 कुछ समय पहले जब मैंने उस बेचारी महिला को बैठे देखा, और शेरिफ ने मुझे बुलाया, कहा, "उसे, सीधी जैकेट में होना चाहिए।" कहा, "वह बस उन्मादी है, उसका चित्त ठिकाने नहीं है।" वह—वह, उन्होंने उसे होटल में रखा। वे आए।

मैंने कहा, "यह ठीक है।"

144 शेरिफ ने कहा, "क्यों, बिली!" मैं उसे अच्छी तरह से जानता हूं, और उसे जब से जानता हूं जब से मैं छोटा लड़का था। उसने कहा, "यदि कुछ ऐसा हो कि मैं आप सहायता कर सकता हूं।"

मैंने कहा, "ठीक है।"

कहां, "क्या आपकी उसकी सहायता कर सकते हैं? "

मैंने कहा, "नहीं, परंतु *वह* कर सकता है।" मैंने कहा, "एक मिनट।"

145 इसलिए वे उसे वहां बाहर लाएं। और जब उसे थोड़े समय के लिए शांति में छोड़ दिया गया था। वह क्या था? हमने उसके लिए प्रार्थना की। आमीन! वह इतनी थी...

146 उन्होंने कहा, "क्या आप डॉक्टर को लेना चाहते हैं? " उसके पति से कहा, "क्या आप डॉक्टर को बुलाना चाहते हैं? "

147 कहा, "डॉक्टर उसके लिए कुछ नहीं कर सकता।" और यह ठीक बात है। यह पागल है; डॉक्टर इसके लिए कुछ नहीं कर सकता।

कहा कि, "हमारी आशा केवल *वहां* पहुंचने की है।"

और उसने कहा, "बिली, मैं इसे नहीं समझता।"

मैंने कहा, "मैं तुझसे आशा नहीं रखता," देखिए, "वह उस से आशा नहीं करता कि आप।"

148 परंतु, ओह, प्रभु, ना ही मैं इसे समझता हूं! नहीं। परंतु, भाई, परमेश्वर जो स्वर्ग में है... मैं पूरा समय बहुत दूर था, कोई चीज मेरे पीछे–पीछे आई। आमीन! यह इसलिए नहीं था क्योंकि मैं आना चाहता था, परंतु, नहीं, कोई चीज मेरे पीछे आई। क्योंकि संसार के रचने से पहले, परमेश्वर ने ठहराया, हाल्लेलुय्या, कि हम उसके होंगे, उसके आदर और महिमा के लिए। सुनिए! उनको जिन्हें उसने पहले से जाना, उसने क्या? बुलाया। यह ठीक है? क्या उसने आपको बुलाया? जी हां! उसने आपको क्यों बुलाया? उसने आपको पहले से जाना। जिन्हें उसने पहले से जाना, उसने बुलाया; जिन्हें उसने बुलाया, उसने धर्मी ठहराया। क्या यह ठीक बात है? और जिन्हें उसने धर्मी ठहराया, उसने महिमायुक्त किया! आमीन! यही है जो बाईबल ने कहा: "जिन्हें उसने पहले से जाना, उसने बुलाया।" प्रत्येक पीढ़ी में! जिन्हें उसने बुलाया, उन्हें पहले ही महिमायुक्त कर चुका। क्या? मुझे यहां पवित्र वचन पढ़ने दे। ठीक है।

और अपनी इच्छा की सुमति के अनुसार हमें अपने लिए पहले से ठहराया, कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हो...

कि उसके अनुग्रह की महिमा की स्तुति...

149 ओह, क्या आप इसे समझें? महिमा की स्तुति! ताकि वह अनंत युगों में हो सके जो आने पर है, और उसके बालक चिल्लाएंगे, “अब्बा, पिता! अब्बा, पिता!”

150 और स्वर्गदूत कहता है, “वे क्या बातें कर रहे हैं? वे किस विषय में बातें कर रहे हैं? ”

151 उड़ाऊ पुत्र में कितनी सुंदरता से दर्शाया गया है। “मैं खो गया था।” “यह मेरा पुत्र है। यह खो गया था और अब यह मिल गया है। यह मर गया था, और जीवित हो उठा है। मोटा ताजा बछड़ा लाओ, बढ़िया वस्त्र, अंगूठी और उसकी उंगली में पहनाओ। और हम... ” कोई आश्चर्य नहीं कि कब भोर के तारों ने एक संग गाया, परमेश्वर के पुत्र आनंद से चिल्लाए, जब उन्होंने उद्धार की योजना को देखा, परमेश्वर पृथ्वी के रचे जाने से पहले आपके नाम को पुस्तक में लिख रहा था।

152 अब आप कहते हैं, “कुछ इसी प्रकार से केल्विन ने विश्वास किया।” मैंने केल्विन का विश्वास नहीं किया। केल्विन एक हत्यारा था। केल्विन एक मनुष्य को मार डाला था क्योंकि उसने यीशु नाम में बपतिस्मा लिया था। वह एक धूर्त था, उसे स्वयं मत परिवर्तन की आवश्यकता थी। जी हां, श्रीमान। परंतु उसने क्या कहा, कुछ बातों के विषय में उसने कहा, ठीक था। परंतु... वह क्या... उसका कार्य, एक मनुष्य उस मनुष्य को कुछ ऐसा करने के लिए मार डाले, यह भयानक है, पाप भरा। ठीक है।

जिसमें उसने हम पर पर *बहुतायात से किया*...

153 ओह, रुकिए, मुझे वह “लेपालक, ” पद नहीं मिला है क्या मुझे मिला? क्या मुझे बहुत देर हो गई? देखे कि यह घड़ी यहां क्या कहती है, हमारे पास कौन सा समय है। ठीक है। हम बस—बस दस मिनट लेते हैं इन लोगों के लिए जो दूर से आए हैं। देखिए। देखिए।

154 “लेपालकता, ” मैं आपको दिखाऊं यह अब क्यों किया गया। एक पिता के पास एक बड़ा राज्य है, वह चारों ओर घूमता है। अब उसके पास एक

पुत्र जन्मा। ओह, वह बहुत आनंदित है! (यह परमेश्वर है।) इसलिए आप जानते हैं कि वह पिता क्या करता है? वह एक बहुत अच्छा पालने, बढ़ाने वाला शिक्षक ढूंढता है। आप जानते हैं कि शिक्षक क्या होता है, क्या आप नहीं जानते? यह एक विद्यालय का शिक्षक है। उसने एक अच्छा विद्यालय शिक्षक ढूंढा वह सारे देश में ढूंढ सकता था। (और तब हम जा रहे हैं, सुनिए।) और उसने उत्तम विद्यालय का शिक्षक जो वह ढूंढ सकता था ढूंढा। उन्हें किसी बदमाश को नहीं लेता, वह अपने लड़के को वास्तविक व्यक्ति चाहता है।

155 क्या आप अपने बालको को ऐसा चाहते हैं? निश्चय ही, आप जो सबसे उत्तम जो दे सकते हैं! जी हां, श्रीमान। यदि एक स्वाभाविक मनुष्य सोचता है, आप क्या सोचते हैं कि परमेश्वर अपने बालको के लिए क्या सोचता है? सबसे अच्छा जो वह पा सकेगा।

156 इसलिए, वह एक व्यक्ति चाहता है जो ईमानदार होगा। अब, वह नहीं... यह कहने के लिए व्यक्ति को नहीं चाहता, "अब, देखिए, मैं—मैं... जूनियर, आप जो चाहे करें, प्रिय।" "ओह हां, पिता, ओह–हो, वह ठीक चल रहा है, वह एक अच्छा लड़का है।" उसकी पीठ थपथपाए, और उसकी टोपी में पंख लगाए। नहीं, नहीं। वह व्यक्ति अभी झिड़का जाएगा। निश्चय ही। वह एक मनुष्य को चाहता है जो सच्चा है। यदि वह लड़का सीधा चल रहा है, तो उसे बताएं। यदि वह नहीं, तो उसे बताएं कि क्या गलती है।

157 और यदि एक सांसारिक पिता यह सोचता है... क्या आप नहीं चाहेंगे एक व्यक्ति आपके साथ ईमानदार रहे, विद्यालय का शिक्षक आपके बालकों के प्रति ईमानदार रहे? निश्चय ही। अच्छा, आप क्या सोचते हैं कि परमेश्वर क्या सोचता है? और वह जानता है; हम नहीं करते, वह करता है। हम सीमित है, हम नहीं बता सकते। परंतु वह अनंत है और वह जानता है।

158 इसलिए आप जानते हैं कि पिता ने क्या किया? उसने कभी नहीं कहा कि, "मैं पोप को लेने जा रहा हूं कि मेरे बालकों का ध्यान रखें।" ना ही उसने यह कहा, "मैं एक—एक विषय को लेने जा रहा हूं।" नहीं, नहीं। उसने यह नहीं किया, क्योंकि वह जानता था कि पोप गलत होगा वैसे ही बिशप गलत होगा। समझे? उसने कभी नहीं कहा कि, "मैं अपनी कलीसिया की देख रेख के लिए जनरल ओवर सियर लेने जा रहा हूं।" नहीं, नहीं।

159 उसके पास पवित्र आत्मा है। वह उसका शिक्षक है, ओह–हो, बालकों को बड़ा करने के लिए। ठीक है। तब आप कैसे जानेंगे कि पवित्र आत्मा यह जानता है? वह मनुष्य के होठों से बोलता है। तो फिर आप कैसे जानेंगे कि वह सत्य बता रहा है? जब आप पवित्र आत्मा को होठों से बोलते हुए देखते हैं जो कि हर बार सत्य बता रहा है, आने वाली बात की भविष्यवाणी कर रहा है और ठीक शेमुएल के समान सही घटित हो रहा है, तब आप जानते हैं कि यह सत्य है। यह ठीक चल रहा है। क्योंकि परमेश्वर ने कहा, "यदि वह बोलता है और जो वह कहता है वह घटित नहीं होता तो उसकी मत सुनो, क्योंकि मैं उसके साथ नहीं हूं। परंतु यदि वह करता है, तो फिर उसकी सुनो, क्योंकि मैं उसके साथ हूं।" समझे? आप उसी स्थिति में है। वह ऐसे ही करता है।

160 अब, तब आप वह आसपास जाता है। अब, आप क्या सोचते हैं कि वह शिक्षक क्या कहेगा यदि उसे पिता के पास जाना पड़े? और कहे कि, "आपके—आपके बालक विचित्र व्यवहार कर रहे हैं। मैं आपको बताता हूं, आपका वह लड़का, वह, वह आवारा है। वह पराजित है, मैंने एक व्यक्ति कभी नहीं देखा! ओह, आप जानते हैं वह क्या करता है? और आपकी वह लड़की! ओह, व्यूह, मैं नहीं जानता कि आप उसके साथ क्या करने जा रहे हैं। हुम्म। अच्छा, आप जानते हैं क्या? वह ऐसी दिखाई पड़ती है... वह वहां लड़की के समान रंगी हुई है। फिलिस्तीनी। जी हां, श्रीमान, वह उनके समान व्यवहार करना चाहती है।"

"मेरी पुत्री? "

161 "हां, आपकी पुत्री।" यही आज पवित्र आत्मा को कलीसिया के विषय में कहना पड़ेगा। कोई आश्चर्य नहीं हम बेदारी नहीं ला सकते। समझे? अब, यह सत्य है।

"आपके पुत्र के विषय में क्या है? हुंह? यही बात है।"

"क्या? "

162 "अच्छा, आप जानते हैं कि आपने सदा कहा है कि उन भेड़ो को उस चरागाह में चरना चाहिए वही पर भेड़ का भोजन है। हां, आप जानते हैं कि उसने क्या किया? वह उन्हें झाडियो में खदेड़ कर ले गया। बस उन्हें वहां ले गया और उन्हें वहां सकरी खाड़ी के पास जमा कर दिया, उन्हें वही झंकाड के ढेर पर छोड़ दिया, और उन पुराने पेड़ों को खा रही है, वे इतनी

बेचारी है कि वहां से बाहर नहीं निकल पा रही है।" यह बिशप, पास्टर जो परमेश्वर की सामर्थ का इनकार करते हैं। "तो, मैं आपको सत्य बताता हूं, मैंने अपने जीवन में कभी इतनी परेशान भेड़ों का झुंड नहीं देखा।" वह यह पसंद नहीं करता। नहीं। "और आप जानते हैं क्या? वे पशु वहां पर हैं, आप जानते हैं कि आपने—आपने उन्हें बताया वहां वो—वो अच्छा-अच्छा भोजन खिलाए, आप जानते हैं, कि उन्हें मोटा कर दे? "

"हां।"

"आप जानते हैं कि वह उन्हें क्या दे रहा है? "

"नहीं।"

163 "वही पुरानी लोहायुक्त घास। हां। वह उन्हें संस्थाओं आदि का सदस्य बनवा रहा है। आपने ऐसा कभी नहीं देखा। आपने अपने जीवन में ऐसा कभी नहीं देखा। आप जानते हैं वह क्या कर रहा है? वहां बाहर सिगार पीते हुए जा रहे हैं, पिछड़ते हुए। उसकी पत्नी उसके साथ है, वह छोटे कपड़े पहने रही है, जैसे की फिलीस्तीनी वहां कर रहे हैं। हां।" इस प्रकार का संदेश पवित्र आत्मा को कलीसिया के विषय में आज लेना ही है। अब, आप इस विषय में क्या सोचते हैं?

164 यही लेपालक पद है। उसने... क्या किया वह क्या करता है? उसने हमें—हमें लेपालक पद के लिए ठहराया है। वह हमें पवित्र आत्मा देता है; परंतु, एक मिनट प्रतीक्षा करें, लेपालक, पद इसी के विषय में हम बात कर रहे हैं। लेपालक पद!

165 "अच्छा, आप जानते हैं वह क्या करता है? बिशप उस दिन आता है, और बताया। उसने वहां चंगाई की एक छोटी सभा की, और बिशप वहां आया। कुछ लोग, एक भाई, आया और बीमारों के लिए प्रार्थना कर रहा था। और उसने कहा, 'आप इसे बंद करो!'

"'ओह, ओह, हां, फादर बिशप, मैं यही करूंगा।'

"'क्या आप सहयोग नहीं देंगे।'

"ओह, नहीं, नहीं, फादर बिशप बिल्कुल नहीं।'

166 "और इधर में आया और आपके वचन से सत्य बताया। देखिए, यह यहां पर है। मैंने आपकी व्यवस्था उनके लिए ठीक-ठीक पढ़ी कि क्या करना है, और वह उनकी नहीं सुनेगा। उसने कहा, 'ओह, यह तो दूसरे

युग के लिए था, दूसरा पुत्र किसी दूसरे समय के लिए। उसका मेरे लिए कोई अर्थ नहीं है।'" आप वहीं पर है। यही, मित्र अब यह सत्य है। अब क्या आप नहीं देखते कि कलीसिया कहां अपने स्थान से हटी हुई है, क्यों हमारे पास बेदारी नहीं है क्यों हमारे साथ चीजें नहीं चल रही है? यह यही पर है।

167 यहोशू कहता है, "गाद, मैं तुम्हें चाहता हूं... अन्तिम आपका स्थान रूपरेखा के अनुसार यहाँ रखा है, आपका स्थान यहां पर है, ठीक यही। गाद, तुम यहां आकर, और यहीं रुको। बिन्यामीन, आप यहां पर जाएं। और अब आप लोग फिलिस्तीन की सभा से अलग रहे।" और यहोशू वापस आता है यहां ये सब फिलिस्तीन में है, वही पुराना शोरगुल, इस प्रकार से नाचना, और सारी स्त्रिया रंगी हुई, और चारों और नाच रही है एक महान समय है। और यहोशू अपने सिर को खुजला रहा है, और कहता है, "अब क्या? " अब ठीक यही बात जगह ले रही है; सब नहीं, परमेश्वर का धन्यवाद हो, सब नहीं, परंतु बहुत सारे। ठीक है।

168 अब क्या होता है फिर? यही है जो घटित हुआ। क्या आप कल्पना नहीं करते, कि वह व्यक्ति, पवित्र आत्मा पिता के सामने लज्जित, जब उसे यही कहना था? ओह, प्रभु! "मैंने—मैंने—मैंने उसे बताया, परंतु वह—वह—वह इसे नहीं सुनेगा। मैंने उसे यह बताया, और उसे पुस्तक में से पढ़ाया। मेरे पास—मेरे पास एक छोटा सा सेवक आया और उसे दिखाता है कि यीशु मसीह कल, आज, और सर्वदा एकसा है। आप जानते हैं क्या? वह उनमें से एक का—उनमें से एक बकरियों का चरवाहे यहां आया है और उसे बताता है कि यह एक दूसरे युग के लिए था। समझे? और उसका बुरी बदबू वाला समय, वह वहां पर बकरी की बदबू के साथ पहुंचा, आप जानते हैं, सिगारो की, और आप जानते हैं, और आदि-आदि, और इतनी बदबू के साथ वह यहां पर आया। समझे? परंतु मैं आपको बताता हूं, कि उस बकरी के चरवाहे के पास लगाने के लिए बहुत सारे तमगे थे, मैं आपको बताता हूं, यदि आपका उसका नाम कागज पर लिखेंगे तो (उसकी निधन सूचना) उसके उपनामों से आधा कागज भर देगी। जी हां, श्रीमान, निश्चय ही वे उसे उस देश में पसंद करेंगे, परंतु, मैं आपको बताता हूं, वास्तव में वह नहीं जानता कि भेड़ों को कैसे खिलाना चाहिए। इस विषय में यह एक बात है। बस वह मेरी सुनेगा ही नहीं," पवित्र आत्मा कहता है। "मैंने यत्न किया कि उसे बताऊं आप कल, आज, और सर्वदा एक से हैं, परंतु वह—

वह इसे नहीं मानेंगा। वह महान डरपोक है जो मैंने कभी जीवन में देखा। हां। और कलीसिया ने उसे देख रेख करने वाला बनाया है, एक बिशप आदि–आदि सारे लोग उसकी सुन रहे हैं। और तब आप जानते हैं क्या? वे उन्हें लेते हैं... वहां उनके पास एक चीज है जिसे 'टेलीविजन' कहते हैं। आप उसे *इस* प्रकार से आरंभ करते हैं कि और—और वे स्त्रियां आकर और शुरू हो जाती है सब प्रकार के आधे कपड़े। और, आप जानते हैं, आपकी बहुत सी पुत्रियां–... "

"ओह, निश्चय ही नही!" समझे?

169 कहते हैं, "हां, वे हैं। हां, वे इसे कर रहे हैं। हूम्म। उनमें से कुछ बेदारी के लिए चिल्ला रहे हैं, पिता, उनमें से कुछ इसे वास्तव में चाहते हैं। उनमें से कुछ वास्तव में सही चाल चल रहे हैं, उनमें से कुछ वचन पर उतने ही सच्चे हैं जितने हो सकते हैं। दूसरे नहीं जानते, कि क्या करें वे—वे वहां भटके हुए हैं। आप जानते हैं वे दूसरे क्या कर रहे हैं? उनका उपहास उड़ा रहे हैं कह रहे हैं, 'वे सनकियो का झुंड है।'"

"अच्छा, इससे मुझे बुरा लगता है।"

170 परंतु अब हम चित्र को बदले। अब पिता, उसका पुत्र एक अच्छा लड़का है। उसका पिता ठीक—ठीक साथ, यहां एक शिक्षक, पवित्र आत्मा है। उसने कहा, पवित्र आत्मा किधर, "मैं जाने वाला हूं," शिक्षक ने कहा, "मैं... "

171 बालक ने कहा, "मैं ठीक आपके साथ चलूंगा। मैं ठीक तुम्हारे साथ चलूंगा।"

"ओह, पहाड़ बहुत ही ऊंचा है, पुत्र।"

172 "मैं ठीक तुम्हारे साथ चलूंगा। मुझे तुम पर विश्वास है। यदि मैं थकने लगू, मैं अपना हाथ उठाऊंगा और मुझे थाम लेना।"

"परंतु वहां पहाड़ पर सिंह है!"

173 "कोई चिंता नहीं जब तक आसपास है, जरा भी अंतर नहीं पड़ता, मैं आपके साथ–साथ चल रहा हूं।"

"वहां एक परेशानी है, यह चिकनी चट्टाने है।"

174 "मैं चिंता नहीं करता, जब तक आपने मेरा हाथ पकड़ा हुआ है, मैं आपके साथ– साथ चलुंगा। मैं आपके साथ–साथ चलूंगा।"

"ओह, क्या आप जानते हैं? तुम्हारे पिता यह किया करते थे, देखा। यह अच्छा है। जी हां, श्रीमान।"

175 वहां उस पहाड़ पर पहुंच जाओ। "ओह," उसने कहा, "आप जानते हैं क्या पिता? आपका पुत्र तो एक पुराने खण्ड का टुकड़ा है। वह बिल्कुल ही आपके समान है। हर वचन जो आप कहते हैं, उस पर 'आमीन' कहता है। उस दिन मैंने—मैंने उस से बाईबल खुलवाई, और उसमें कहा गया कि, 'यीशु मसीह कल, आज, और सर्वदा एक सा है।' आप जानते हैं उसने क्या कहा? वह चिल्लाया और उसने अपने हाथ हवा में उठा लिए, और कहा, 'हाल्लेलुय्या! आमीन!' ओह! और आप जानते हैं, इसने यहां कहा आपके वचन में—में, आप जानते हैं, जहां आपने कहा, 'वे कार्य, वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो कार्य में करता हूं वह भी करेगा'? "

176 "हां, मुझे याद है यह लेख मेरे पुत्र के लिए हैं। हां, मुझे लेख याद है।"

177 "ओह, जब उसने यह देखा वह चिल्लाया और ऊपर नीचे कूदा, शोर मचाया, 'हाल्लेलय्या, प्रभु। मुझ में से सारा संसार ले ले। मुझे इस प्रकार का बना दे!' जी हां, श्रीमान। और वे सारी बातें जो उसने की है!"

178 "ओह," पिता ने यह कहा है, "मैं—मैं इस पुत्र के लिए आनंदित हूं। पुत्र, यह बहुत अच्छा है। ठीक है। कुछ वर्षों के लिए उस पर दृष्टी रखें, देखिए कैसे वह—वह देखिए वह कैसे आता है, और कैसे उन्नति करता है।" कुछ ही समय में वर्षो बीत गए। "वह कैसा चल रहा है? "

179 "ओह, वह अनुग्रह में बढ़ रहा है! ओह, प्रभु! वह बस... जंगल में गोलाबारी कर रहा है। मैं आपको बता रहा हूं, वह—वह वास्तव में... क्यों, वह उन भेड़ों को लेता है, जैसे आप करते हैं, वैसे ही—वैसे ही उनके साथ व्यवहार कर सकते हैं। वह उन्हें कच्छार की घास कभी नहीं देगा। वह उन्हें लोह घास कभी ना देगा। जब वह आसपास आएगा, कह रहा है, 'हम कलीसिया में सम्मलित होना चाहते हैं,' वह कहता है, 'अपना मुंह बंद करो, आपको इसकी आवश्यकता नहीं! नहीं, श्रीमान। यह है जिसकी आपको आवश्यकता है, "प्रायश्चित करो और तुम में से प्रत्येक, अपने-अपने पापों की क्षमा के लिए, यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले। तो तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे।"' जी हां, श्रीमान, यही जो उसने कहा।"

"ओह, क्या वास्तव में उसने यह कहा? "

"जी हां, श्रीमान, उसने वास्तव में कहा।"

“अच्छा, मैंने इसे इसी प्रकार लिखा है।”

“इसी प्रकार से वह यह कहता है।”

“हां जी!” हां, श्रीमान।

180 “उनमें से कुछ ने कहा, ‘जब तक तुम ऊपर से सामर्थ ना पाओ तुम यरूशलेम नगर में रुके रहना। जब से पवित्र आत्मा तुम पर उतरा है, तुम यरूशलेम, यहूदियों और सामरिया में, मेरे और संसार के दूसरे छोर तक मेरे गवाह हो।’ जब उसने यह पढ़ा, चिल्ला, ‘हाल्लेलुयय्या, यही जिसकी आपको आवश्यकता है!’ आप जानते हैं, वह क्या करता है? वह उन्हें वहां ले जाता है उन्हें बताता है कि इसे ले लो, बस, उनके साथ टिके रहो।

181 “और यदि वे विवाद आरंभ करते हैं, वह कहता है, ‘वूप, वूप, वूप, एक मिनट रुको, एक मिनट रुको। बकरियां इसी प्रकार व्यवहार करती है, ना की भेड़।’ समझे? समझे? ओह, कभी–कभी वे थोड़ा सा चिढ़कर कहते हैं, लेकिन वह एक तरह से उनकी पीठ पर थपथपाता है, कहता है, ‘एक मिनट रुको, श–श, श–श, श। यह ठीक है।’ अब वह वास्तव में जानता है कि उन भेड़ों को कैसे नियंत्रित किया जाए। जी हां, श्रीमान। मैं आपको बताता हूं।

182 “आप जानते हैं क्या? मैंने *फलां–फलां* आर्च बिशप को देखा उसे बताओ कि ‘वह *इस* नगर में आकर और सभा आयोजित नहीं कर सकेंगे।’ परंतु, आप जानते हैं, एक प्रकार से मैंने उसकी अगुवाई की है, मैंने कहा, ‘जो भी हो जाओ।’ समझे? ‘इन टेपों को वापस ले लो, और इन्हें बाहर मत जाने दो।’ जैसा भी है हम गए! इस नगरों में गए, कहा, ‘अच्छा, हम नहीं–... ’

183 “और आप जानते हैं, कि शैतान वहां आ गया, कहा, ‘तुम मुझसे शर्त लगा लो मैं उसे नगर से बाहर रख सकता हूं।’ मैंने कहा, ‘यह नहीं कर सकता। यदि मैं उसे जाने के लिए कहूं तो वह जाएगा। मैं तुमसे शर्त लगाता हूं कि वह जाएगा।’ ‘नहीं, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं, मैं उससे कहूंगा। मैं वहां जाकर कहूंगा, “अब, मेरे सारे प्रतिनिधियों, तुम सब एकत्र हो जाओ। तुम उन में से किसी पुराने धर्मांधता को यहां नहीं चाहते, वह पुरानी दिव्य चंगाई, और पुराने पवित्र आत्मा वाला मामला। जो कि प्रेरित के साथ वर्षा पहले बीत गया। तुम जानते हो पहले भी ठीक नहीं था।”’ उन्हें पुरानी सूखी घास देने का यत्न कर रहे है, और इस प्रकार की चीज। वे...

184 "परंतु, आप जानते हैं, क्या, कैसे भी वहां पहुंचा सीधा वहां गया। ठीक वहां नीचे जाकर ग्ल्सून घास फेंकनी आरंभ कर दी, वहां से... और आप जानते हैं क्या, उन भेड़ों ने खाना आरंभ कर दिया, वह जितनी मोटी हो सकती थी हो गई। जी हां, श्रीमान। जबकि वे चंगाई और सभाएं कर रहे थे और, आप जानते हैं, उनमें से बहुत से लोगों ने आरंभ कर दिया। क्यों, उन्होंने देखा यदि उन्हें सूखी घास का ढेर मिल जाए जैसे वह लसून। आप जानते हैं उन्होंने उससे क्या किया? वह इतना अच्छा था जब तक कि वे पड़ोसी के पास भाग कर नहीं गए, कहा, 'इसे चखो! इसे चखो! इसे चखो!' देखिए, वहां के वातावरण ने यहां का स्वाद चखा। यहां ठीक इस प्रकार से यह ठीक यहां पर है। यहां पर यह है, देखिए। 'बस आप सब प्रायश्चित करें, और यीशु के नाम में बपतिस्मा ले, देखिए, पवित्र आत्मा पा लो। जो भी चाहे वह आए, वह यहां आकर देखे कि बाईबल ने क्या कहा है।' समझे? और उनका वहां एक महान समय है।"

185 "ओह, यह तो मेरा पुत्र है! यह मेरा लड़का है। अच्छा, आप सोचते हैं कि पूर्णता परिपक्व है? "

186 "हां। निश्चय ही," पवित्र आत्मा ने कहा। "मैं तो परीक्षाएं ले चुका हूं। लड़के, मैंने उसे *इधर* से *उधर* से परखा। मैंने उसे रोगी कर दिया, मैंने उसे बताया, मैंने उसे गिराया। और मैंने शैतान को सब कुछ करने दिया जो कर सकता था, वह फिर से वापस आया। वह वैसे ही आया। देखिए, फिर से आया। मैंने उसे रोगी कर दिया। मैंने *यह* किया। मैंने उसे अस्पताल में डाल दिया। मैं उसे बाहर ले आया, और मैंने *यह* किया, मैंने *वह* किया। मैंने उसकी पत्नी को उसके विरुद्ध कर दिया, मैंने उसके पड़ोसी को उसके विरुद्ध कर दिया, मैंने हर चीज घुमा दी। इससे जरा भी अंतर नहीं पड़ा। कहा, 'चाहे वह मुझे मार डाले, तौभी मैं उस पर विश्वास करूंगा।' मैंने उसके परिवार को मार डाला। मैंने *यह* ले लिया, मैंने *यह* कर दिया, मैंने *यह* सब किया, मैंने *यह, वह, इत्यादि* किया। फिर भी वह सीधा खड़ा है, 'यदपि वह मुझे मार डाले, तौभी मैं उसकी सेवा करूंगा! वह मेरा है!'"

187 "ओह! अच्छा, मैं विश्वास करता हूं हमें उसे कहीं बुलाना चाहिए, एक विशेष स्थान पर और लेपालक कर लो।"

188 पुराने नियम में अब जब पिता समझ गया कि उसका पुत्र उस आयू पर आ गया है, और लेपालक पद के लिए तैयार हो गया है। के लिए! वे जन्मे

हुए बालक है, परंतु, जब वह उस समय भी पुत्र था। परंतु तब वह बालक नहीं रहेंगे, केवल एक साधारण पुत्र, जब तक वे परिपक्क ना हो जाए और दिखाए कि वे क्या है। तब, वह उसे बाहर बुलाएगा तब।

189 अब यहां हम, कलीसिया है। क्या आप तैयार है? अब यह थोड़ी देर हो गई, प्रत्येक अपनी उंगली कोट अपने प्राण को कचोटे, और अपने ह्रदय को नोचे, केवल एक मिनट के लिए। समझे? अब हम कलीसिया को यथा स्थान पर रखने जा रहे है। अब जब कलीसिया स्थान उस स्थान पर पहुंच जाती है, वह कहता है, "मनश्शे, तू यहां से है। एप्रेम, तू यहां से है।"

190 तब वह उसे एक निश्चित स्थान पर ले जाता है, पिता करता है, और ऊंचे स्थान पर बैठाता है *इस* प्रकार से, और वह उत्सव करता है, और वे आसपास आते हैं। और उसने कहा, "मैं चाहता हूं कि प्रत्येक यह जान जाए कि यह मेरा बालक है, और मैं इसे लेपालक पद देता हूं। और मैं चाहता हूं कि कोई भी जाने कि अब से यह उसका नाम... मैं उसे वस्त्र पहनाता हूं एक विशेष वस्त्र। और मैं चाहता हूं कि आप जाने कि उसका नाम किसी भी चैक पर वैसे ही है जैसे मेरा नाम है। यह मेरा पुत्र है, मैं इसे अपने परिवार में लेपालक करता हूं, यदपि वह जन्म से मेरा पुत्र था। जब से उसने पवित्र आत्मा पाया, वह मेरा पुत्र है। परंतु अब मैं उसे यथा स्थान पर अधिकार सहित रखने जा रहा हूं। जो वह जलाए वह जल गया, जो वह किराए पर ले, ले लिया गया।

191 "और मैं तुमसे सच–सच कहता हूं, यदि तू इस पेड़ से कहे, यदि तू इस पहाड़ से कहे, 'हट जा,' और अपने ह्रदय में सन्देह ना करें, परंतु विश्वास करें कि जो तूने कहा वो पूरा होगा, तुम्हारे पास हो हो सकता है जो तुमने कहा है।" समझे? आप वहीं पर है; आप वहीं पर है। समझे? "यह मेरा पुत्र है।" कितने यह जानते हैं कि लेपालक पद, कि... उन्होंने पुत्र को लेपालक कर दिया, उसके सिद्ध करने के पश्चात... कोई भी जिसने कभी बाईबल पढ़ी, पुत्र को यथा, स्थान पर रखना।

192 अब, परमेश्वर ने अपने पुत्र के साथ ऐसे ही किया जब वह यीशु को रूपांतरण वाले पर्वत पर ले गया। उसने पतरस, याकूब और यहुन्ना को ऊपर बुलाया, पृथ्वी के तीन गवाह। वहां यीशु, मूसा और एलिय्याह, और परमेश्वर, पर्वत पर थे। वहां वे पर्वत पर खड़े हुए। और, पहली बात आप जानते हैं, उन्होंने देखा, और यीशु उनके सामने महिमामय हो गया। क्या

यह ठीक बात है? कितने जानते हैं कि यह पवित्र वचन है? उसने क्या किया? उसने—उसने उसे अमरणहार वस्त्र पहनाया। और उसने कहा, "उसका वस्त्र सूर्य के समान चमका।" क्या यह ठीक बात है? और एक बादल ने उन्हें ढांप लिया। और पतरस, यूहन्ना और वे, मुंह के बल गिर पड़े। और उन्होंने देखा, और वहाँ मूसा और एलिय्याह, उससे बातें कर रहे थे। और मूसा मर चुका था, और चिन्हित ना होने वाली कब्र में आठ सौ वर्षों पहले गाड़ा गया था। और एलिय्याह इससे पहले पांच सौ वर्षों पहले रथ पर चढ़कर स्वर्ग चला गया था। ओह! परंतु वे अब भी वहां पर थे! वहां वे उस से बातें कर रहे थे। देखिए, वह यीशु को उन से मिलाने वहां ले गया कि देखें कि यह सब किस विषय में था, वहां देखे, उसे वह चीजें दिखाई। और उन्होंने उससे बातें की, उसके साथ बातचीत की।

193 तब जैसे ही पतरस ने फिर से पीछे मुड़कर देखा और महिमा यीशु पर से हट गई थी, उन्होंने केवल यीशु को देखा, और बादल में से एक शब्द आया, और कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, इसकी सुनो! अब इसका नाम उतना ही अच्छा है जितना मेरा। तुम इसकी सुनो!" यही है, लेपालक हुआ, या पुत्रों को उचित स्थान पर रखा।

194 अब, यही जहां परमेश्वर पेंटीकोस्टल कलीसिया को इफिसियों की पुस्तक में लाने का यत्न कर रहे हैं। समझे? क्या आप—क्या आप समझे? हम बहुत समीप हो गए, क्योंकि बहुत देर हो गई है, देखिए, बालक सोने लग रहे हैं। और मैं इस पद पर ठीक यहां आना चाह रहा हूं, परंतु मैं यह नहीं कर सकता, उस—उस 13वे पद तक। देखिए, अंतिम भाग, "प्रतिज्ञा किए हुए, पवित्र आत्मा द्वारा मोहर बंद।" हम इसे रविवार को लेंगे, देखो। देखिए। अब, क्या, हमें भीतर क्या लाया, और हम कैसे इसके द्वारा रखे गए।

195 परंतु अब "स्थान पर रखना," आप कैसे हैं? आप पहले पवित्र आत्मा के द्वारा राज्य में जन्म लेते हैं। कितने यह जानते हैं? ठीक है। अगला, आप किसलिए ठहराए गए हैं? लेपालक पद के लिए। यह क्या है? आप उचित स्थान के लिए ठहराए गए हैं।

196 ओह, बहन स्कॉट, मैं विश्वास करता हूं, यह यहां पर सही बैठ गया। क्या आप वही है जो घर पर था आज? एक शिक्षा समस्त जगत में चल रही है, राष्ट्र के विभिन्न भागो में, मैंने इसके विषय में बहुत सुना है, कि यीशु यहां

पृथ्वी पर है, शरीर में चल फिर रहा है, वह अंदर आता है और *यह* करता है। यह झूठ है! उसका पवित्र आत्मा यहां पर है, और वह अपनी कलीसिया को यथा स्थान पर रखने का यत्न कर रहा है, ताकि अपनी कलीसिया को व्यवस्थित करें, उसे प्रतिज्ञा के देश में रख रहा है, ताकि वे प्रवेश कर सके... ताकि सारे शत्रुओं को भगाए जा सके।

197 मनश्शे उसकी भूमि नहीं ले सकता। मैं चंगाई सभा आयोजित नहीं कर सकता जबकि आधे से अधिक... जबकि... मैं बाहर जाता हूं और यीशु मसीह के नाम के बपतिस्मे को प्रचार करता हूं, और वो—वो त्रिएकता वाले भाई कह रहे हैं, "ओह, यह तो पुराना जीसस ओनली वाला है।" और मैं यहां नहीं जा सकता हूं और दिव्य चंगाई करूं जबकि उनमें से आधे कहते हैं, "दिव्य चंगाई ठीक बात है," और उनमें से बहुत से प्रभु के आश्चर्य कर्मों का आनंद लेते हैं और कहते हैं, "अच्छा, मैं भाई ब्रंहम का भविष्यवक्ता होने का विश्वास करता हूं, परंतु मैं आपको कुछ बता दू। जब तक आत्मा उस पर है, और वह विचारों को जांच रहा है, तो वह प्रभु का दास है। परंतु उसकी शिक्षा बेकार है, वह अच्छी नहीं है।" ऐसी अनाप-शनाप को कौन सुनेगा? यह या तो परमेश्वर है या ये नहीं है। यह ठीक बात है। या तो ये सब परमेश्वर का है या कुछ परमेश्वर का नहीं। यह इसी प्रकार से है। परंतु आप कैसे लेने जा रहे हैं? मनश्शे उसकी भूमि नहीं रखेगा, एप्रेम उसकी भूमि नहीं रखेगा, गाद उसकी भूमि नहीं रखेगा, बिन्यामीन उसकी भूमि नहीं रखेगा, वे सब फिलीस्तीनियों के साथ भाग रहे हैं, और सब मिल जुल गए। हम कैसे स्थान लेने जा रहे हैं? परंतु हम पवित्र आत्मा के द्वारा जन्मे हैं, हम सब। क्या यह ठीक है? हम किसके लिए जन्मे है? ठहराए जा चुके हैं... तब जन्म लेने के पश्चात हम लेपालक पद के लिए ठहराए गए हैं, कि मसीह के देह में स्थापित किए गए जाए। आपने देखा मेरा क्या अर्थ है?

198 मसीह की देह क्या है? कुछ प्रेरित है, कुछ भविष्यवक्ता है, कुछ शिक्षक है, कुछ सुसमाचार फैलाने वाले, और कुछ पास्टर हैं। क्या यह ठीक है? हम इसी के लिए बुलाए गए हैं। दूसरों के पास अन्य भाषाओं का वरदान है, भाषाओं का अनुवाद, बुद्धि, ज्ञान, आश्चर्यकर्म, आश्चर्यकर्मों का होना, ये सारे विभिन्न वरदान। और अब वे क्या करेंगे? उन्होंने इसका थोड़ा अभ्यास किया है। क्या? इसे ऐसे ही ढीला चलने दो, मैं नहीं जानता क्या। एक उठकर खड़ा हुआ भाषाओं में बोला, और दूसरा बातें करते हुए आगे बढ़ा,

बोलते हुए, “ब्लर, ब्लर, ब्लर, ब्लर, ब्ली।” हूं–हुंह। वही बात प्रचारक प्रचार करेगा, वेदी पर बुलाएगा, और कोई खड़ा हुआ अन्य भाषा में बोला और, “हाल्लेलुय्या! परमेश्वर की महिमा हो!” यदि—यदि प्रचारक संदेश के साथ जाता है, अभिषिक्त किया हुआ, तब हम लोग कहते हैं, “पुराना पिछड़ा हुआ।” देखिए, यह क्योंकि उन्हें सिखाया नहीं गया।

199 बाईबल ने कहा भविष्यवक्ता का आत्मा भविष्यवक्ता के वश में है। परमेश्वर गडबडी का नहीं है। जब मैं यहां खड़ा हूं, या एक सेवक यहां परमेश्वर के अभिषेक में, कोई मतलब नहीं आप कितनी भी अन्य भाषा बोलना चाहते हैं, आप शांति बनाए रखेंगे जब तक को यहां परमेश्वर का समाप्त ना हो जाए। तब यदि आप अन्य भाषा में बोलते हैं, तो यह केवल कुछ वचनों को दोहराना नहीं, क्योंकि परमेश्वर ने कहा, बेकार का दोहराना नहीं। परंतु यह एक संदेश किसी को सीधा। मुझसे एक बार पूछो, अपनी उंगली एक बार रखो कि पवित्र आत्मा हमेशा, विचारों को परखते हुए, किसी को बार–बार वचन दोहराने के लिए बताओ। मैंने उन्हें कुछ बताया जो उनके साथ गलत था, और कुछ जो उन्होंने किया, और कुछ जो उन्हें करना चाहिए, या कुछ होना था, या कुछ ऐसा ही। क्या यह ठीक है?

200 ऐसे ही भाषा में बोलना और अनुवाद करना! यदि कोई कलीसिया में हो जो अन्य भाषाओं में बात करता हो, और दूसरा अनुवाद करता हो उसे यह कहने दे: भाई नेविल को खड़े होकर अन्य भाषा में बोलने दे, और यह भाई यहां अनुवाद करता है, मान लीजिए, “यहां इस व्यक्ति को बताओ कि बीते कल वह वहां गया और कुछ ऐसा किया जो नहीं करना चाहिए था। अब डॉक्टर ने उसे आज बताया कि उसे कैंसर है। जाकर उस बात को ठीक करो, यहां वापस आओ और परमेश्वर के साथ संबंध ठीक कर लो।”

व्यक्ति कहता है, “सच में, यह सत्य है।” तब परमेश्वर आपके साथ हैं।

201 परंतु हम इसे इस प्रकार कैसे कर सकते हैं? समझे? यह केवल, “ब्लमप, ब्लर, ब्लर, ब्लर।” किसी प्रकार कोई उचित स्थान पर नहीं है। अब यह... देखिए, इफिसियन यत्न कर रहे हैं... देखिए, वे चूक गए। देखिए वे कैसे चूक गए? हम लेपालक पुत्र होने के लिए ठहराए गए हैं! अब कितने समझते हैं कि मेरा क्या अर्थ है? अपने हाथ उठाए। लेपालक! निश्चय ही, हम परमेश्वर के आत्मा में जन्मे है, पवित्र आत्मा पाओ, और रोओ,

“अब्बा, पिता! हाल्लेलुय्या! परमेश्वर की महिमा हो!” हम लोग, यह ठीक बात हैं, हम बालक हैं, परंतु हम कहीं नहीं पा सकते। हम फिलिस्तीनियों को नहीं मार सकते।

202 देखिए बिली ग्राहम वहां खड़े हुए हैं। और वह मुसलमान कह रहा है, “इसे सिद्ध करो।”

203 जैक को देखिए वह वहां खड़ा हुआ है। और वह अनिश्चितवादी, वह चर्च ऑफ़ क्राइस्ट, वहां अनिष्टरवादी से हाथ मिला रहे हैं, और हाथ पकड़ रहे हैं। मसीही होना चाहिए, और जोय लुईस जैसे शेतान से हाथ मिला रहा है, और एक स्वतंत्र विचारों वाला, परमेश्वर को भी को कोसता है और कहा, “आरंभ से परमेश्वर, जैसा कोई चीज नहीं है,” और इस तरह की बातें। और एक कलीसिया जो स्वयं को चर्च ऑफ़ क्राइस्ट कहते हैं, उसके साथ हाथ मिला रहे हैं, और भाई जैक कोए के विरुद्ध है। हम कैसे कुछ करने जा रहे हैं? और पेंटीकोस्टल, उनमें से बहुत से, उसके विरुद्ध है; जबकि हमारे देश के बहुत से प्रचारकों को उसके साथ कंधे–कंधे से कंधा मिला कर खड़ा होना चाहिए, और कहा, “परमेश्वर, अपनी सामर्थ को नीचे भेजें।” देखिए, हम यहीं पर हैं, जहां यह रखा नहीं जा सकता।

204 एप्रेम रुकना नहीं चाहता। उनमें से एक वहां चला गया, हम मनश्शे को यहां पाते हैं, कहता है, “ओह, प्रभु, मुझे एक अच्छा गेहूं का खेत दे!” तब यहां गाद आता है, गाद ने कहा, “अच्छा, अब, एक मिनट रुको। मुझे जई उगानी चाहिए, परंतु मैं आनाज भी लेने वाला हूं। हाल्लुलय्या!” आप समझे? आपको अनाज से कुछ लेना देना नहीं; अपने भाग में जई, जई उगाओ। आपको भेड़े नहीं चरानी चाहिए जबकि आपको जानवरों का खेड़ चराना चाहिए। परमेश्वर कलीसिया को उचित स्थान पर रखना चाहता है। परंतु उनमें से प्रत्येक वही कार्य करना चाहता है। “हाल्लेलुय्या!” और आप इस विषय में एक बात नहीं बता सकते। नहीं, नहीं। उनमें अब भी बकरी का स्वभाव है, “बट, बट, बट, बट, बट, बट, बट।” देखिए, आप उन्हें नहीं बता सकते। कि यह ठीक है। अब, क्या यह सत्य नहीं है? और आप कलीसिया को सही स्थान पर नहीं रख सकते। समझे?

205 कलीसिया को पहले से ठहराया हुआ होना चाहिए, बालकों के लेपालक पद के लिए, जहां एक व्यक्ति... परमेश्वर एक व्यक्ति को ले सकता है और उसे परिवार में, लेपालक कर लेता है, और उसे कुछ दे देता है। पहले, उसे,

परख और देख ले यदि यह ठीक है। बाईबल ने कहा आत्मा को परखो। यह मनुष्य निश्चित बात का दावा करता है, इसे परखे और देखें यदि यह ठीक है तो। यदि यह ठीक है तो, इसके साथ बने रहे। तब कहे, "प्रभु, हमारे पास कुछ और भेज।" बढ़ते जाएं, देखिए, बस बढ़ते जाए जब तक हर व्यक्ति अपने स्थान को ना ले ले। तब आप परमेश्वर की कलीसिया को देखने जा रहे हैं, अपने स्थान को लेना आरंभ कर दिया। तब जब फिलीस्तीन इसके पीछे हटने लगेंगे। छोटे कपड़े हट जाएंगे, बाल नीचे की ओर बढ़ेगे मुंह धुले हुए होंगे; सिंगार गायब होगा। यह ठीक बात है। जब कलीसिया अपनी जबरदस्त सामर्थ में आना आरंभ हो जाएगी, जब हमारे पास हनान्याह और सफीरा है, और उनमें से कुछ। जी हां, श्रीमान। आप देखेंगे जब वह पवित्र कलीसिया एक साथ अपनी सामर्थ में खड़ी होती है, परमेश्वर के पुत्रों के समान, अपने–अपने उचित स्थान पर है परमेश्वर के परिवार में लेपालक हो गए, सामर्थी कलीसिया वहां अपनी महिमा में खड़ी है। ओह, इसी के लिए वह आ रही है।

206 देखिए भाइयों, हम कितने भटके हुए हैं? आप पवित्र वचन पर भी एक साथ एकत्र नहीं होते। और कोई भी व्यक्ति, कोई भी व्यक्ति जो बाईबल में पानी का बपतिस्मा नहीं देख सकता, यीशु मसीह के नाम में, या तो वह अंधा है या उसके मस्तिष्क में गड़बड़ी है। यह ठीक बात है। और वहां पर बड़ा झगड़ा है।

207 मैं—मैं किसी भी व्यक्ति से कहूंगा जो मेरे पास कोई भी वचन लाए जहां किसी का भी नई कलीसिया में, यीशु मसीह के नाम के अलावा कभी भी बपतिस्मा दिया गया हो। या, यदि उसे किसी और प्रकार से बपतिस्मा दिया गया हो, उसका फिर से यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा हुआ, ताकि पवित्र आत्मा पाए। आप आकर मुझे दिखाएं। ऐसा वहां कुछ नहीं। ऐसा कोई प्राधिकार नहीं है। जब यीशु ने वहां कहा, "इसलिए तुम जाकर, सारे जगत में सिखाओ, उन्हें पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दो," पिता, पुत्र, ना ही पवित्र आत्मा, इन में से कोई भी नाम नहीं है, इन में से कोई भी, पतरस घूमा, ठीक दस दिन के पश्चात, कहा, "प्रायश्चित करो, और अपने–अपने पापों की क्षमा के लिए तुम से प्रत्येक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले।" और बाईबल में सब जगह...

208 और तब यह कुछ थे, जिनका किसी और प्रकार से बपतिस्मा हुआ,

यूहन्ना के द्वारा, केवल पश्चाताप के लिए। पौलुस ने कहा, "तुम्हारा फिर से बपतिस्मा होना है। तुम्हें फिर से आना है।"

209 "ओह, परंतु हमारा एक महान पवित्र मनुष्य के द्वारा बपतिस्मा हुआ है, यूहन्ना। उसने यीशु को बपतिस्मा दिया।"

210 "ठीक है, यह समाचार है। यह परमेश्वर का आत्मा है यह मुझ पर प्रकाशित हुआ है। मैं प्रभु का प्रेरित हूं, और यदि स्वर्ग से एक दूत आकर और कुछ और ही प्रचार करें... "

211 मैं यह पढ़ दू। बाईबल ने कहा, "यदि कोई दूत–... " पौलुस ने कहा, "यदि स्वर्ग का कोई दूत और कुछ और ही कहे," बिशप, आर्च बिशप, पोप, ओवर सियर, वह चाहे जो हो, "यदि वह इसे छोड़ कुछ और प्रचार करता है, जो मैंने तुम्हें प्रचार किया, तो वह श्रापित हो।" वहां नहीं... हमारी ऐसी कोई रीति नहीं। नहीं, श्रीमान। आप केवल... ऐसी कोई बात नहीं। आप, हम... और तब—तब, देखिए, क्यों नहीं लोग इसे देख सकते हैं? क्यों यह लोग इसका विश्वास नहीं—नहीं—नहीं करेंगे? [सभा में से कोई कहता हैं, "पहले से ठहराया जाना।"—सम्पा।] समझे? किसी ने ठीक प्रहार किया जीन। "पहले से ठहराया गया," बिल्कुल ठीक। क्यों? "सब जो पिता ने मुझे दिया" (क्या?) "मेरे पास आएगा।" कितना सही है! "सब जो पिता ने मुझे दिया मेरे पास आएगा—मेरे पास आएगा।" मेरे साथ क्या मामला है, मैं यहां ढूंढने का यत्न कर रहा हूं? हम यहां पर है। ठीक है।

212 मैं जरा इस पद को पढ़ दूं और तब मैं आपको बताऊंगा कि पौलुस ने क्या, वे बातें जो... वही संदेश जो मैंने आज रात्रि प्रचार किया, यही जो पौलुस ने पहले से ठहराए जाने पर कहा, यीशु के नाम में पानी का बपतिस्मा पवित्र आत्मा का बपतिस्मा, कलीसिया में व्यवस्थित करना, और आदि–आदि। यहां जो उसने कहा:

> *मुझे आश्चर्य है* (गलतियों को बता रहा है) तुम *उससे इतनी जल्दी फिर गए जिसने तुम्हें... मसीह के अनुग्रह में बुलाया* (दूसरे शब्दों में, मैं तुम्हारे कारण लज्जित हूं, कि तुम किसी भी भीतर आने देते हो, जो तुम्हें उससे हटा देता है।) *दूसरे सुसमाचार की ओर:*

जो कि दूसरा है ही नहीं; परंतु वहां कुछ जो तुम्हे रोकते है, और तुम्हें मसीह के सुसमाचार से रोकते हैं मसीह के वास्तविक *सुसमाचार को रोकते हैं।*

213 परंतु ध्यान दे। अब, याद रखें, यह पौलुस था जिसने हर व्यक्ति को बाध्य किया कि जिसका बपतिस्मा यीशु मसीह के नाम में नहीं हुआ, कि आकर और दुबारा यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले। कितने जानते हैं कि यह सत्य है? कितने जानते हैं कि यह पौलुस था जिसने कहा यह भेद पृथ्वी के रचने से पहले छिपे हुए थे, और उस पर प्रगट हुआ, कि हम उसके पुत्र होने के लिए ठहराए गए और लेपालक होने के लिए, यह पौलुस था? देखिए यहां उसने क्या कहा:

परंतु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी, उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुमको सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए तो स्त्रपित हो।

214 ऐसा नहीं कहता, "सेवकों, मैं आप लोगों से सहमत नहीं हूं।" वह श्रापित ठहरा। मैं अगला पद पढ़ दू:

जैसा हम पहिले कह चुके हैं, वैसा ही मैं अब फिर कहता हूं, कि उस सुसमाचार को छोड़ जिसे तुमने ग्रहण किया है यदि कोई और सुसमाचार सुनाता है तो श्रापित हो।

215 यह ठीक बात है। अब, भाई, बहनों यदि यह उस दिन परमेश्वर था, और मैं—मैं कहता हूं, कि आशा कर रहा हूं, श्रद्धाहीन नहीं इसने मुझे, इस छोटे से को देखने के लिए लिया... अब, मैं उत्तेजित हो गया; मैं अनुमान नहीं लगाता मैं उत्तेजित हो गया, मैं प्रचार करते हुए आशीषित होता हूं। मैं अपने आपे में नहीं हूं और आपको तब तक रोके हूं, मैं जानता हूं कि आपको नींद आ रही है और थके हुए हैं। परंतु, ओह, मैं... यदि—यदि आप केवल यह जान सकते होते कि मैं आपको वहां कितना चाहता हूं! समझे? और जब मैं, एक बार फिर से, मैं आप से कहता हूं... जब मैंने कहा... मैंने कहा, "मैं यह करेगा... "

उसने कहा, "क्या आप देखना चाहते हैं कि अन्त क्या है? "

216 और मैंने पीछे मुड़ कर देखा और स्वयं को वहां पलंग पर पडे देखा। निश्चय ही आप लोग मुझे लंबे समय से जानते हैं कि—कि—कि मैं आपको सत्य बताता हूं। मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं, जैसा कि शाऊल के

अभिषेक से पहले से शमुएल ने कहा, क्या मैंने तुम्हें प्रभु के नाम में कुछ भी बताया जो कि सत्य था? क्या यह ठीक है? यह सदा सत्य रहा है। क्या मैं तुम्हारे पास कभी पैसे मांगने आया था इस प्रकार की कोई बात? नहीं, देखिए, मैंने कभी नहीं। क्या मैंने कभी कुछ किया, परंतु अपना पूरा यत्न किया कि आपकी अगुवाई मसीह तक करु? बिल्कुल ठीक।

217 अब वे कहना चाहते हैं मैं मस्तिष्क को पढ़ने वाला हूं, आप जानते हैं, एक सर्वोत्तम चेतना का अनुबोधकर्ता। ठीक है, उन बातों को उठना ही है, बाईबल ने कहा वे करेंगे। जैसे यम्ब्रेस और यन्नेस मूसा के विरोध में खड़े हुए, उन्होंने भी लगभग वही किया जो मूसा ने किया, जब तक शक्ति परिक्षण पर ना आए। यह ठीक बात है। परंतु स्मरण रखें, यम्ब्रेस और यन्नेस चंगा नहीं कर सके। वे चंगा नहीं कर सके। वे विपत्तियों को ला सकते थे, परन्तु उन्हें हटा नहीं सकते थे। समझे? ठीक है। अब, परमेश्वर चंगा करने वाला है। परमेश्वर का वचन सत्य रहता है।

218 मैंने आपको साथ ईमानदार रहने का यत्न किया है। मैंने सत्य बताने का यत्न किया है। मैंने—मैंने... किया है लगभग इकतीस वर्षों से इस प्रचार मंच पर खड़ा हूं, अलग और इस पर इकतीस वर्षों से, और किसी दिन इस प्रचार मंच को छोड़ एक ओर महिमा में जा सकता हूं। वहां पत्नी, एक पुत्री, पिता, भाई लोग जो गाड़े गए वहां पर उस पार, बहुमूल्य मित्रगण। मैंने उसके बक्सों को देखा और फूल उस पर रखे हुए, और जानता हूं किसी दिन मेरा भी होगा। अब, यह सत्य है। परंतु ईमानदारी से, मैं अपने पूरे ह्रदय से आपको ह्रदय की गहराई से बताता हूं, मैं विश्वास करता हूं कि मैंने आपको प्रभु यीशु मसीह का सच्चा सुसमाचार सुनाया है। मैं विश्वास करता हूं कि आप में से, प्रत्येक को यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेना चाहिए, और पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाए। और जब भी आप करते हैं, तो यह आपको आनंद देगा, शांति, सहनशीलता, भलाई, नम्रता, सज्जनता, धैर्य, विश्वास।

219 और उस दिन, मुझे उस प्रातः क्या हुआ, मैं नहीं जानता। मैं अब भी नहीं कह सकता कि मैं यहां अपने शरीर में था और दर्शन देख रहा था, या मैं यहां से वहां पर उठा लिया गया। मैं नहीं जानता, मैं नहीं कह सकता। केवल इतना जानता हूं, कि मैं—मैं सदा मरने से डरता था, डंक का वह छोटा सा स्थान। परन्तु इसलिए नहीं कि यीशु मुझे लेने नहीं आएगा, मैं

इससे नहीं डरता था, क्योंकि मैं—मैं इस बात से नहीं डरा; परन्तु यदि मैं आपसे मिलूंगा तो एक छोटी सी धुंध के समान उड़ता फिरूंगा। परंतु अब मैं देखता हूं। जब मैंने उन लोगों को देखा, वे वास्तविक थे। और वह वे लोग थे जो कभी मेरे साथ यहाँ धरती पर जुड़े हुए थे, यहाँ तक कि मेरी पहली पत्नी से भी। वह मेरी पत्नी नहीं थी, वह मेरी बहन थी। उसने मुझे कभी अपना पति नहीं कहा, उसने मुझे अपना प्रिय भाई कहा। वहां कोई कामुकता नहीं थी, उस तरह की कोई अनुभूति नहीं थी, ऐसा नहीं हो सकता था; यह सिद्ध थी, यह मधुरता थी, यह सिद्धता थी।

मैं सोच रहा हूँ, मैं नहीं जानता, कि मैं सोच रहा हूँ: क्या वह वही है जो उसने धरती को छोड़ने से पहले देखा था? जब वह वहां उस अस्पताल में थी, जब मैंने उसे फोन किया, और उसने कहा, "बिली, आपने इसका प्रचार किया है, आपने इसके बारे में बताया है, लेकिन," उसने कहा, "आप नहीं जानते कि यह क्या है।" उसने कहा, "मुझे और रहने की कोई इच्छा नहीं है।"

220 मैं सोचता हूं है कि क्या यह वही है, एफ. एफ. बोसवर्थ के उस धर्मी, संत वृद्ध व्यक्ति के साथ, जो इस पुलपिट में खड़ा था, जिन्होंने मेरे साथ संसार के अलग–अलग भागो में प्रचार किया। बूढ़े एफ. एफ. बोसवर्थ, आप सभी लोग, लगभग, उसे जानते थे; धर्मी, संत बूढ़े मनुष्य। दो घंटे पहले, उनके जाने से लगभग एक या दो हफ्ते पहले, मैं उनके पास गया और वहां वे पीछे लेटे पड़े थे, वह लगभग नब्बे वर्ष के थे। उनकी छोटी–छोटी बूढ़ी बाहें फैली हुई थीं, उनका छोटा–सा गंजा सिर और चेहरे पर वह सफेद मूंछें। मैंने उस बूढ़े मनुष्य को अपनी बांहों में लिया और मैं चिल्लाया, "मेरे पिता, मेरे पिता, इस्राएल के रथ और उसके घुडसवार।"

कभी कोई व्यक्ति हुआ जिसने पेंटीकोस्ट का प्रतिनिधित्व किया, और एक सच्चे प्रेरित थे, वह एफ. एफ. बोसवर्थ थे, साफ, सीधे, वास्तविक सुसमाचार, देखिए, वह बोसवर्थ थे। और जब मैंने उन्हें अपनी बाहों में, पकड़ा और मैं रोया, "मेरे पिता, मेरे पिता, इस्राएल के रथ और घुड़सवार।"

221 उसने कहा, "पुत्र, कार्यक्षेत्र में जमे रहो।" कहां, "इन नवयुवको को विदेश कार्य क्षेत्र के लिए तैयार करो, यदि तुम कर सकते हो, इससे पहले वे वहां बहुत सी धर्मांधता में फंस जाए। उन्हें वह वास्तविक समाचार दो

जो तुम्हारे पास है, पुत्र।" उसने कहा, "तुम्हारी सेवकाई अभी आरंभ नहीं हुई है जहां पर यह होगी।" कहा, "तुम नए ब्रंहम हो।" कहा, "तुम युवा हो, पुत्र।"

मैंने कहा, "भाई बोसवर्थ मैं अड़तालीस वर्ष का हूं।"

222 उसने कहा, "तुम अभी आरंभ नहीं हुए हो।" उसने कहा, "इन युवा पेंटीकोस्टल प्रचारकों को बहुत सारी अनाप–शनाप बातों के साथ वहां ना जाने दो, और बातों को खराब करें, और सारे उन—उन राजनितिज्ञानो और सारे राष्ट्रों को तुम्हारे वहां पहुंचने से पहले विरुद्ध ना कर दे।" कहा "भाई ब्रंहम, आगे बढ़ो, सुसमाचार के साथ, आगे बढ़ो जो तुम्हारे पास है।" उसने कहा, "मैं—मैं विश्वास करता हूं कि तुम एक प्रेरित हो, या प्रभु हमारे परमेश्वर के भविष्यवक्ता।"

223 मैं उनकी ओर देखा, मैंने उन्हें अपनी बाहों में ले लिया। मैंने कहा, "भाई बोसवर्थ, मैं आपसे एक प्रश्न करना चाहता हूं। आपके सारे क्षणों... आपके सारे वर्षों में जो अपने प्रचार किया... सब से अधिक आनंददायक समय क्या था? "

उन्होंने कहा, "ठीक अभी, भाई ब्रंहम।"

मैंने कहा, "क्या आप जानते हैं आप मर रहे हैं? "

उन्होंने कहा, "मैं नहीं मर सकता।"

मैंने कहा, "क्या... आप क्यों कहते हो कि यह आपका सबसे आनंदमई समय है? "

224 वहां पर छोटा द्वार है। उन्होंने कहा, "मैं यहां अपना मुख द्वार के तरफ किए लेटा हूं। किसी भी समय, वे जिनसे मैंने प्रेम किया, और वे जिन्हें मैंने प्रचार किया और जिनके लिए खड़ा हुआ वे सब... मेरे जीवन, वह मेरे लिए उस द्वार पर आयेगा, और मैं उसके साथ जाऊंगा।" मैंने उनकी ओर देखा, मैंने सोचा, मैं—मैं उन्हें वैसे ही देख रहा था जैसे कि अब्राहम, इसहाक, या याकूब को देख रहा होऊंगा।

225 मैंने उसका हाथ पकड़ा, मैंने कहा, "भाई बोसवर्थ, हम दोनों एक ही परमेश्वर पर विश्वास करते हैं, हम एक ही चीज का विश्वास करते हैं। परमेश्वर के अनुग्रह से मैं तब तक प्रचार करूंगा जब तक मेरी सांस मेरे शरीर को नहीं छोड़ती। मैं परमेश्वर के प्रति सत्य रहूंगा जितना जानता हूं

कि कैसे रहूंगा। मैं सुसमाचार से समझौता नहीं करूंगा किसी भी ओर या किसी स्थान में। मैं सत्य रहूंगा जितना रह सकता हूं। भाई बोसवर्थ, मैं आपसे अच्छे देश में मिलूंगा, जहां आप युवा नहीं होंगे... या फिर बूढ़े नहीं होंगे, परंतु युवा रहेंगे।”

226 उसने कहा, “तुम वहां होंगे, भाई ब्रंहम, आप चिंता ना करें।”

227 और एक घंटे पहले, दो घंटे पहले वह मर गए... लगभग दो माह बाद, मैंने सोचा वह तब मर रहा था, मेरी पत्नी भीतर आई और उन्हें देखा (उन्होंने उनके विषय में बहुत से), और तब श्रीमती बोसवर्थ। और लगभग दो घंटे वह लेटे हुए, सो रहे थे। वह उठे, उन्होंने देखा, और वह अपने पलंग से उठे। उसने कहा, “मां, अच्छा, मैंने आपको वर्षो से नहीं देखा! पिताजी! भाई जिम, क्यों,” कहा, “हम देखें मैंने आपका मत परिवर्तन प्रभु के लिए किया था, जोलीएट, इलिनोयस में।” वह पचास वर्षों पहले मर चुके थे। समझे? जी हां! उसने कहा, “बहन *फलां-फलां।* हां, मैं आपको विनी पेग सभाओ में—में प्रभु के पास ले गया था। हां। क्यों, यहां बहन *अमूक-अमूक* है। मैंने आपको नहीं देखा... हां, आप प्रभु के पास *अमूक-अमूक* में आई है।” और दो घंटों तक लगातार वह उनसे जिनकी अगुवाई प्रभु तक की थी हाथ मिलाते रहे। वापस सीधे अपने स्थान पर आ गए, और लेट गए, हाथों को एक दूसरे पर किया, और यही था। क्या भाई एफ. एफ. बोसवर्थ उस देश में चले गए जो यीशु ने मुझे उस रात्रि दिखाया? यदि यह है तो आज रात्रि वह वहां एक नवयुवक है। परमेश्वर उनके प्राण को विश्राम दे। और होने पाए कि मैं इतना ईमानदारी से जीवन जीऊं कि उस देश में प्रवेश करूं। और इतना सच्चा रहूं मसीह का एक—एक दास!

228 मुझे अपने जीवन भर लज्ञा आती है। मैं लज्जित हूं... मैं—मैं... यदि मैंने आप लोगों के सनमुख पाप किया हो, तो आप—आप मेरे पास आकर मुझे बताएं। समझे? मैंने हर बात सच्चा जीवन जीने के लिए यत्न किया है जो परमेश्वर ने मुझे अपने अनुग्रह से करने को दिया। समझे? समझे? परंतु, मित्रों, देखिए, अपने कर्तव्य बनाता है यदि आप कुछ जानते हैं कि मेरे जीवन में यह गलत है, आकर मुझे बताएं। और, देखिए, और यहां खड़े होकर अपने प्रति मेरा कर्तव्य है और आपको सच्चा सुसमाचार प्रचार करूं। आपके प्रति मेरा कर्तव्य है, क्योंकि मैं आप में से प्रत्येक के मुखों को देखने की आशा करता हूं, युवा पुरुष और महिलाएं, सामने उस रेखा के पार।

यहां और वहां के बीच केवल एक सांस है जहां आप है। अब, यह ठीक बात है। यह वहां है।

229 और होने पाए सारी अनुग्रह का परमेश्वर स्वर्ग का परमेश्वर धर्म विरोधी नहीं; परंतु श्रद्धा में, "पापा," उस महान दिन जब हम वापस यहां उपस्थित किए जाएंगे और फिर से अपनी पृथ्वी की देह लेंगे, ताकि हम पी सके, और अंगूर खा सके और देश के फल। "वे घर बनाएंगे और कोई दूसरा नहीं लेगा। वे बारी लगाएंगे और दूसरा उसमें से नहीं खाएंगे।" समझे? एक पुरुष बारी लगाता है, उसका पुत्र उसे लेता है फिर उसका पुत्र लेता है, फिर उसका। परंतु यहां नहीं; वह लगाएगा और वहां रहेगा। देखिए, यह ठीक बात है। हम सदा के लिए वहां होंगे। और होने पाए, उस देश में मैं आप में से प्रत्येक को देखूं।

230 और मैं जानता हूं कि मैं यहां पर त्रिएकता वाले सेवकों से भी बात कर रहा हूं। और, मेरे भाइयों, मैं यह नहीं कहता—मैं आपको आघात पहुंचाने के लिए नहीं कहता। मैं भी एक त्रिएकता वादी हूं। मैं त्रिएकता में विश्वास करता हूं परमेश्वर के तीन गुण (पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा), परंतु तीन परमेश्वर नहीं। समझे? मैं तीन गुणों में विश्वास करता हूं, बिल्कुल, मैं अपने पूर्ण ह्रदय से, "पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा," परंतु वे तीन परमेश्वर नहीं है। वे केवल तीन गुण–... या परमेश्वर के तीन कार्य स्थल। एक समय परमेश्वर पितृत्व में पुत्रत्व में, और अब पवित्र आत्मा। यह वही परमेश्वर तीन कार्यस्थलो में। और वे...

231 और पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा परमेश्वर के नाम नहीं है। परमेश्वर का एक नाम है, और उसका नाम यीशु है। बाईबल ने कहा, "स्वर्गीय परिवार का नाम यीशु है, और पृथ्वी का पारिवारिक नाम यीशु है।" यह ठीक बात है। इसलिए परमेश्वर का एक नाम, मनुष्य नाम है। वह... उसका नाम यहोवा यीरे कहलाया, यहोवा राफा, वह उसके देवत्व का उपनाम है। परंतु उसका एक नाम है: यीशु! और वह, वह है।

232 और सच में, मेरे भाई, यदि आप मुझसे असहमत हैं, स्मरण रखें, जो भी है मैं—मैं—मैं आपसे वहां मिलूंगा। समझे? मैं—मैं आपके साथ वहां होऊंगा। और परमेश्वर आपको आशीष दे। और मैं आपसे प्रेम करता हूं।

233 और मैं चाहता हूं कि कलीसिया याद रखे, रविवार प्रातः हम यहीं से आरंभ करेंगे और मैं यत्न करने जा रहा हूं कि आपको दो बजे से अधिक

ना रोकूं, ताकि हम दोपहर बाद की सभा कर सकें, यदि संभव हुआ कि कर सके, और यदि मैं करता हूँ जैसा कि मैंने आज रात्रि किया, साढ़े दस। क्या आप मुझे क्षमा करेंगे? मित्रो, हमारे पास अधिक समय नहीं बचा है, प्रिये। मैं—मैं आपको "प्रिय" कह रहा हूं क्योंकि आप है। आप—आप लोग मेरे प्रिय है। आप जानते है क्या? होने... यहाँ वचन आता है। पौलुस ने कहा, "मैं तुम्हारे लिए जलन हो रखता हूं (उसकी कलीसिया) भक्ति की जलन, क्योंकि मैंने तुम्हारी बात लगायी है।" आप वही है, यही वो है। यही है। "क्योंकि मैंने तुम्हारी बात लगायी है मसीह के साथ, वचनबद्ध किया है एक सच्चे चरित्र की कुंवारी के समान।"

234 अब, यदि वह उस दिन सच्चा था, उसने कहा... उन लोगों ने मुझसे कहा, कहा, "यीशु आपके पास आयेगा, और आप हमें उसके सामने प्रस्तुत करेंगे," एक सच्चे चरित्र की कुंवारी। "वचन के द्वारा परखी गयी जो तुमने उन्हें प्रचार किया।" और देखो, यदि मैंने आपको वही प्रचार किया, जो पौलुस ने अपनी कलीसिया को प्रचारा, यदि उसका झुण्ड जाता है, तो हमारा भी, क्योंकि हमारे पास वही बात है। आमीन।

आइए हम प्रार्थना के लिए सिरो को झुकाएं जबकि हम कहते हैं, "परमेश्वर आपको आशीष दे।" अब... ? ... हमारे प्यारे प्रिय पास्टर, भाई नेविल।

लेपालकपन *2* HIN60-0518

(Adoption 2)

लेपालकपन श्रृंखला

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में बुधवार शाम, 18 मई, 1960 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE

19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM

CHENNAI 600 034, INDIA

044 28274560 • 044 28251791

india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS

P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.

www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org